हिंदी–विभाग
(मानविकी संकाय)
इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी

परीक्षा योजना

एवम्

पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिंदी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी बी सी एस)/

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (एल ओ सी एफ)

राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति– 2020 के अनुरूप

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 से चरणबद्ध तरीके से प्रभावी

इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी के एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम को वर्ष 2019 में संशोधित एवं परिवर्तित किया गया था। पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप लागू करने के उद्देश्य से एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम को पुनः संशोधित करके सत्र 2024 –25 के प्रथम सेमेस्टर से लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्रों का प्रारूप और अंक विभाजन में अपेक्षित एवं समुचित परिवर्तन किए गए हैं। प्रस्तावित पुस्तकों की सूची भी संवर्धित की गई है।

संबद्धता

हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी से सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों के लिए मान्य होगा।

हिन्दी विभाग : दृष्टि और उद्देश्य

दृष्टि

स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को रोजगारपरक पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी साहित्य एवं भाषा में दक्ष बनाना।
प्रभावी प्रशिक्षक, शोधकर्त्ता और योगदानकर्ता बनने के लिए प्रशिक्षित करना ताकि विश्वविद्यालय दुनिया भर में विद्वतापूर्ण उपलब्धि का एक प्रतिष्ठित केन्द्र माना जाए।

उद्देश्य

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक के पश्चात विषयों के गंभीर अध्ययन की ओर प्रेरित करना है

- शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में प्रत्येक छात्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना।
- छात्रों को लचीलापन प्रदान करना ताकि विद्यार्थियों के पास अपने अधिगम मार्ग और कार्यक्रम को चुनने की क्षमता हो और इस तरह वे अपनी प्रतिभा और रूचि के अनुसार जीवन में अपना मार्ग चुन सकें।
- सृजनशीलता और आलोचनात्मक चिंतन का संवर्धन और तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करना।
- छात्र भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित हो सकेगें और उनके भीतर मानवीय मूल्य का विकास होगा।
- नैतिकता तथा मानवीय और संवैधानिक मूल्यों को प्रोत्साहन देना।
- संप्रेषण, सहयोग, सामूहिक कार्यक्षमता और लचीलापन जैसे जीवन कौशल प्रदान करना।
- उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए आवश्यक रूप से उत्कृष्ट अनुसंधान को प्रोत्साहन देना।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल संबंधों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी, देश, समाज, राष्ट्र विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही साथ उसके भाषा कौशल, लेखन और संप्रेषण क्षमता का विकास हो सके।

कार्यक्रम के परिणाम (PO)

एम.ए हिन्दी कार्यक्रम की पूर्णता के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित परिणामों से लाभान्वित होगा।

PO 1.	ज्ञान कौशल	साहित्य को समझने, उसका आस्वादन करने तथा विविध दृष्टियों से मूल्याकंन करने की क्षमता का विकास करते हुए सभ्य मानव समाज के अन्य महत्त्वपूर्ण गुणों को बढावा देना।
PO 2.	शोधात्मक	साहित्यकारों के साहित्यिक व्यक्तिव एवम् कृतिव का परिचय तथा साहित्य के लिए उनके योगदान का ज्ञान और उनकी प्रासंगिकता की वैचारिक समझ का विकास।
PO 3.	संचार एवम् संप्रेषण कौशल	अनुसंधान भाषा ज्ञान से विचारों को मौखिक और लिखित रूप में प्रभावी ढ़ंग से प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास।
PO 4.	भाषा ज्ञान	शैक्षणिक क्षेत्रों के अतिरिक्त प्रौद्योगिकी, व्यवसाय, बैंक आदि क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भाषा ज्ञान का बोध।
PO 5.	ज्ञान के प्रति जागरूकता	स्थापित सिद्धान्तों और तकनीकों के आधार पर समकालीन विमर्शों का आलोचनात्मक आकलन करने की क्षमता का विकास।
PO 6.	व्यावसायिक क्षमता	साहित्य में चुने हुए विशिष्ट क्षेत्रों में मौलिकता, विश्लेषणात्मकता और महत्वपूर्ण कौशल रोजगार के लिए अग्रणी अुनशासन।

कार्यक्रम के विशेष परिणाम (PSO)

PSO1	साहित्यिक प्रवृत्तियों और विशेष बोलियों की अवधारणा का ज्ञान।
PSO2	साहित्य और उसकी सामाजिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का बोध।
PSO3	हिन्दी साहित्य की विविध धाराओं, परम्पराओं और विशेषताओं का बोध। समकालीन साहित्य विभिन्न रूपों, आंदोलनों, विमर्शों के माध्यम से युग बोध।
PSO4	हिन्दी भाषा के इतिहास का बोध तथा भाषायी कौशल, जनसंचार मीडिया, रंगमंच, चलचित्र, कम्प्यूटर प्रशिक्षण के सैद्धान्तिक व व्यावहारिक ज्ञान से जीवनयापन।
PSO5	विविध साहित्यिक एवम् सांस्कृतिक परम्पराओं के माध्यम से क्षेत्रीय और विश्व साहित्य का ज्ञान तथा जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की क्षमता का निर्माण।
PSO6	वर्तमान सामाजिक चुनौतियों के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करने वाली नैतिकता, मूल्यों, आदर्शों का बोध।

स्नातकोत्तर की महत्ता/विशेषता

- एम.ए हिंदी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन तथा शोध की उत्कंठा विकसित करना है।
- ज्ञान की शाखाओं के साथ–साथ आज विश्व को सजग आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्तित्व की आवश्यकता है जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके।
- साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ करता है।
- भाषा आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहां सैद्धान्तिक समझ को विस्तृत करता है वही कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं।
- इस प्रकार एम.ए हिंदी का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना इस बात की छूट भी देती है कि वह मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम में अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों को पढ़ सकें।

क्रेडिट का सेमेस्टर वार विवरण

सेमेस्टर – I = 26 (CC-20, DEC-4, Seminar-2)

सेमेस्टर – II = 30 (CC-20, DEC-4, VAC – 2, Internship-4)

सेमेस्टर – III = 26 (CC-8, DEC-16, OEC-2)

सेमेस्टर – iv = 26 (CC-8, DEC-16), EEC-2

कुल क्रेडिट = 108

1.	मूल पाठ्यक्रम	Core Course
2-	अनुशासन वैकल्पिक पाठ्यक्रम	**Discipline Elective Course**
3-	मूल्य संवर्द्धक पाठ्यक्रम	Value Added Course
4-	मुक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम	**Open Elective Course**
5-	व्यावसायिक और उद्यमशीलता क्षमता संवर्द्धक पाठ्यक्रम	Employability and Entrepreneurship Skills Course
6-	प्रशिक्षण	Internship
7-	शोध परियोजना	Research Project/Dissertation

स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम और परीक्षा योजना
(NEP-2020)
सेमेस्टर-I

क्र0 सं0	पाठ्यक्रम की प्रकृति	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लिखित (Theory) / सेमिनार (s)	क्रेडिट	समयावधि		परीक्षा योजना		
					लिखित	लिखित	कुल	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा	लिखित परीक्षा	कुल अंक
1	CC-1	24L6.0-HIN-101	आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	Th	4	4	4	30	70	100
2	CC-2	24L6.0-HIN-102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Th	4	4	4	30	70	100
3	CC-3	24L6.0-HIN-103	हिंदी कथा साहित्य	Th	4	4	4	30	70	100
4	CC-4	24L6.0-HIN-104	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	Th	4	4	4	30	70	100
5	CC-5	24L6.0-HIN-105	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	Th	4	4	4	30	70	100
6	DEC -1	24L6.0-HIN-106 106 (i) 106 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) कबीरदास (ii) तुलसीदास	Th	4	4	4	30	70	100
7	Seminar	24L6.0-HIN-107	संगोष्ठी	S	2	--	2	50	--	50
कुल					**26**	**24**	**26**	**230**	**420**	**650**

क्रेडिट = 26 **कुल अंक =650**

C.C. = मूल पाठ्यक्रम (Core Course)

D E C= विभागीय वैकल्पिक (Discipline Elective Course)

सेमेस्टर-II

क्र0 सं0	पाठ्यक्रम की प्रकृति	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लिखित (Theory) / सेमिनार (s)	क्रेडिट	समयावधि		परीक्षा योजना		
					लिखित	लिखित	कुल	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा	लिखित परीक्षा	कुल अंक
1	CC-6	24L6.0-HIN-201	आधुनिक हिंदी कविता–1	Th	4	4	4	30	70	100
2	CC-7	24L6.0-HIN-202	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Th	4	4	4	30	70	100
3	CC-8	24L6.0-HIN-203	कथेतर हिंदी साहित्य	Th	4	4	4	30	70	100
4	CC-9	24L6.0-HIN-204	भारतीय काव्यशास्त्र	Th	4	4	4	30	70	100
5	*CC/SEC-10	24L6.0-HIN-205	जनसंचार माध्यम एवं हिंदी	Th	4	4	4	30	70	100
6	DEC -2	24L6.0-HIN-206 206 (i) 206 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) प्रेमचन्द (ii) अज्ञेय	Th	4	4	4	30	70	100
7	*VAC	24L6.0-CHM-201	सवैंधानिक मानवीय और नैतिक मूल्य एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार	Th	2	2	2	15	35	50
8	Internship	24L6.0 HIN-INT	An internship course of 4 Credits of 4-6 weeks duration during summer vacation after IInd semester. Internship can be either for enhancing the employability or for developing the research aptitude		4			50	50	100
कुल					**30**	**26**	**26**			**750**

क्रेडिट = 30 **कुल अंक =750**

CC = मूल पाठ्यक्रम (Core Course)
DEC = विभागीय वैकल्पिक (Discipline Elective Course)
VAC = मूल्यवर्धित (Value Added Course)
SEC = कौशल संवर्धन (Skill Enhancement Course)

Post Graduate Diploma in Hindi will be awarded if Candidate wants to exit after II Semester earning 56 credits

सेमेस्टर-III

क्र0 सं0	पाठ्यक्रम की प्रकृति	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लिखित (Theory) / सेमिनार (s)	क्रेडिट	समयावधि		परीक्षा योजना		
					लिखित	लिखित	कुल	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा	लिखित परीक्षा	कुल अंक
1	CC-11	24L6.5-HIN-301	आधुनिक हिंदी कविता–2	Th	4	4	4	30	70	100
2	CC-12	24L6.5-HIN-302	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Th	4	4	4	30	70	100
3	DEC -3	24L6.5-HIN-303	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ (ii) प्रवासी साहित्य	Th	4	4	4	30	70	100
4	DEC-4	24L6.5-HIN-304	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) सूरदास (ii) मीराबाई	Th	4	4	4	30	70	100
5	DEC-5	24L6.5-HIN-305	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) राष्ट्रीय काव्यधारा (ii) शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	Th	4	4	4	30	70	100
6	DEC -6	24L6.5-HIN-306	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) बालमुकुंद गुप्त	Th	4	4	4	30	70	100
7	*OEC	24L6.5-OEC-HIN-301	हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन	Th	2	2	2	15	35	50
			कुल		26	26	26			650

क्रेडिट = 26 **कुल अंक =650**

CC = मूल पाठ्यक्रम (Core Course) **विभागीय वैकल्पिक (Discipline Elective Course)**

OEC = मुक्त वैकल्पिक (Open Elective Course)

(i) *OEC To be chose out of pool of courses provided by the University

सेमेस्टर-IV

क्र0 सं0	पाठ्यक्रम की प्रकृति	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लिखित (Theory) / सेमिनार (s)	क्रेडिट	समयावधि		परीक्षा योजना		
					लिखित	लिखित	कुल	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा	लिखित परीक्षा	कुल अंक
1	CC-13	24L6.5-HIN-401	हिंदी आलोचना	Th	4	4	4	30	70	100
2	CC-14	24L6.5-HIN-402	आधुनिक भारतीय साहित्य	Th	4	4	4	30	70	100
3	DEC -7	24L6.5-HIN-403 403 (i) 403 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि) (ii)) मध्यकालीन महिला संत कवयित्रियाँ	Th	4	4	4	30	70	100
4	DEC-8	24L6.5-HIN-404 404 (i) 404(ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) जयशंकर प्रसाद (ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	Th	4	4	4	30	70	100
5	DEC-9	24L6.5-HIN-405 405(i) 405(ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) समकालीन साहित्य चिंतन (मार्क्सवाद से विखण्डनवाद तक की विचारधाराओं के संदर्भ में) (ii) हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं,पत्रिकाएं,आन्दोलन,केन्द्र)	Th	4	4	4	30	70	100
6	DEC-10	24L6.5-HIN-406 406 (i) 406 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) हिंदी सिनेमा में भारतीयता (ii)अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	Th	4	4	4	30	70	100
7	*EEC	24L6.5-HIN-407	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) हिंदी भाषा और कंप्यूटर (ii) सृजनात्मक लेखन	Th	2	2	2	15	35	50
कुल					**26**	**26**	**26**			**650**

क्रेडिट = 26 कुल अंक =650

CC = मूल पाठ्यक्रम (Core Course) DEC = विभागीय वैकल्पिक (Discipline Elective Course)
EEC= व्यावसायिक और उद्यमशीलता क्षमता (Employability and Entrepreneurship Skills Course) (EEC)

सेमेस्टर-IV

क्र0 सं0	पाठ्यक्रम की प्रकृति	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लिखित (Theory) / सेमिनार (s)	क्रेडिट	समयावधि		परीक्षा योजना		
					लिखित	लिखित	कुल	आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा	लिखित परीक्षा	कुल अंक
1	CC-13	24L6.5-HIN-401	हिंदी आलोचना	Th	4	4	4	30	70	100
2	DEC -7	24L6.5-HIN-403 403 (i) 403 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि) (ii) मध्यकालीन महिला संत	Th	4	4	4	30	70	100
3	DEC-8	24L6.5-HIN-404 404 (i) 404(ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (iii) जयशंकर प्रसाद (iv) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	Th	4	4	4	30	70	100
4	EEC	24L6.5-HIN-407	शोध नैतिकता (Research Ethics)	Th	2		2	15	35	50
5	लघु शोध प्रबंध/ शोध परियोजना				12			100	200	300
कुल					26	26	26			650

क्रेडिट = 26 कुल अंक =650

CC = मूल पाठ्यक्रम (Core Course)
DEC = विभागीय वैकल्पिक (Discipline Elective Course)
EEC= व्यावसायिक और उद्यमशीलता क्षमता (Employability and Entrepreneurship Skills Course) (EEC)
There will be One Core course and Three DEC in the 4th semester for those students who opted to write dissertation work / Project work
The evaluation of Dissertation is based on only external evaluation and workload will be as per university guidelines.

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-101
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता की वैचारिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परिचित करना।
- हिंदी साहित्य के आदिकालीन मध्यकालीन काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक युग का विशिष्ट ज्ञान।
- प्रमुख कवियों एवं उनके काव्य सरोकारों तथा शिल्प की समझ का विकास।
- समतापरक समाज की आवश्यकताओं की समझ का विकास।
- सामाजिक – सांस्कृतिक चेतना की अन्तर्दृष्टि, ज्ञान परम्परा और मानवीय मूल्य की समझ का विकास।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास
आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की विचारधारा, स्वरूप
भक्तिकाल का स्वरूप एवं दर्शन
रीतिकाल : युगबोध, अन्तर्वस्तु और सौन्दर्य विधान

इकाई– 2

चन्दबरदाई – रेवातट समय (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

अमीर खुसरो – (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ० परमानन्द पांचाल, हिंदी बुक सेन्टर, दिल्ली) –
जे हाल ए मिंस्की मकुन तगाफुल
अम्मा मोरे बाबा को भेजो जी (गीत)
काहे को ब्याही विदेस रे (गीत)
बहुत कठिन है डगर पनघट की (गीत)
छाप तिलक तज दीन्हीं रे तो से नैना मिलाके (कव्वाली) (कुल 5 पद)

विद्यापति (विद्यापति की पदावली : सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी)
निर्धारित पद – 1, 2, 5, 6, 9 (कुल 5 पद)

इकाई– 3

कबीर – (कबीर – संपादक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली)
निर्धारित पद – 160, 162, 163, 164, 165, 168, 175, 177, 191, 201 (कुल 10 पद)

सूरदास : (भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली)
निर्धारित पद– : 21, 23, 24, 25, 29, 34, 38, 42, 52, 64 = कुल 10 पद

तुलसीदास : (कवितावली : उत्तरकाण्ड – गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित पद – 8, 26, 27, 29, 30, 32, 33, 35, 57, 96, 97 = कुल 10 पद

इकाई –4

जायसी – (पदमावत – स0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली)
नागमती वियोग खण्ड

मीराबाई – (मीरा – सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी)
निर्धारित पद – 2, 9, 10, 11, 19 (कुल 5 पद)

बिहारी सतसई – (सं० जगन्नाथ दास रत्नाकर) –
छंद सं0 – 1, 3,13 14, 15, 16, 17, 25, 26, 28 (कुल 10 छंद)
भूषण – भूषण ग्रंथावली (सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)
इंद्र जिमि जंभ पर
दारा की न दौर यह रारि
सजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढि
राखि हिन्दुवानी हिन्दुवान को तिलक राखयों
ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवादी
देबल गिरावते फिरावते निसान अली

सहायक पुस्तकें –

रेवा तट, पृथ्वीराज रासो, नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी

भूषण ग्रंथावली, संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

कवितावली, तुलसीदास ,गीता प्रेस, गोरखपुर

बिहारी रत्नाकर, सं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर ,लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

मलिक मुहम्मद जायसी : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

सूरदास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सूर साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद

भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

मीरा का जीवन : अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन

हिंदी रीति साहित्य : भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन

कबीर : साखी और सबद : सं० पुरुषोत्तम अग्रवाल, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली

घनानन्द का काव्य : रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

सरहपा : सं० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय , साहित्य अकादमी, दिल्ली

अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ० परमानन्द पांचाल, हिंदी बुक सेन्टर, दिल्ली

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-102
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल तक)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी साहित्य की प्राचीन ज्ञान परम्परा का बोध।
- आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन कालखंडों की परिस्थितियों, प्रमुख रचनाओं, काव्यगत विशेषताओं तथा प्रवृत्तियों का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास के प्रति अभिरूचि का निर्माण होगा।
- प्रारंभिक और मध्यकालीन प्रवृत्तियों का बोध।
- सामाजिक–सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियों से भारतीय ज्ञान परम्परा का बोध होगा।
- तत्कालीन कवियों के योगदान का समालोचनात्मक ज्ञान।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई–1

भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास
साहित्य के इतिहास की अवधारणा
हिंदी में साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई–2

आदिकाल : नामकरण एवं पृष्ठभूमि
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य।

इकाई–3

भक्तिकाल : सामाजिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि
वैष्णव भक्ति का उदय और दक्षिण के आलवार संत
निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृतियाँ
भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय
भक्तिकालीन गद्य–साहित्य

इकाई–4

दरबारी संस्कृति और रीतिकाल
रीतिकाल : परिस्थितियाँ एवं नामकरण
रीति कवियों का आचार्यत्व
रीति सिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं,
रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

सहायक पुस्तकें –

हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेंद्र– मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली।
त्रिवेणी, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का अतीत (दो खण्ड), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन।
रीतिकाल की भूमिका, डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिंदी रीति साहित्य– भगीरथ मिश्र– राजकमल, नई दिल्ली।
परंपरा का मूल्यांकन, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
लोक जागरण और हिंदी साहित्य , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी , ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली।
वैष्णव भक्ति का उदय और विकास, सुवीरा जायसवाल, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य , शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ0 रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
संत काव्य , परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-103
हिंदी कथा साहित्य

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी उपन्यास एवं कहानी के विकास क्रम की जानकारी देना।
- प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास एवं कहानी के साथ – साथ समकालीन हिंदी कहानी से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- उपन्यास एवं कहानी की विकास यात्रा के विविध सोपानों का ज्ञान प्राप्त करने से तत्कालीन परिस्थितियों, समाज, संस्कृति से अवगत होते हुए समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- समकालीन उपन्यास एवं कहानी में आधुनिकता की अंतर्दृष्टि और जीवन के विभिन्न आयामों का बोध।
- विद्यार्थी प्रारम्भिक कहानी से लेकर विविध कहानी आन्दोलनों से परिचित कराना होंगे।
- प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान प्रदान करना।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई–1

हिंदी कहानी : उद्भव, विकास और स्वरूप
प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी
विविध कहानी आन्दोलन
उपन्यास : अवधारणा, उद्भव और
विकास
प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास और भारतीय परिवेश
प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास

देश विभाजन और हिंदी उपन्यास
स्त्री उपन्यास लेखन
1990 के बाद के हिंदी उपन्यास

इकाई–2

उपन्यास

प्रेमचन्द : गोदान
हजारीप्रासद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा

इकाई–3

निर्धारित कहानियाँ

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
प्रेमचन्द – ईदगाह
तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई–4

निर्धारित कहानियाँ

चीफ की दावत – भीष्म साहनी
पिता – ज्ञानरंजन
यही सच है – मन्नू भडारी
घुंसपैठिये – ओमप्रकाश वाल्मीकि

सहायक पुस्तकें –

गोदान, मुंशी प्रेमचंद, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
बाणभट्ट की आत्मकथा, हजारी प्रसाद द्विवेदी,राजकुमार प्रकाशन, नई दिल्ली
उसने कहा था और अन्य कहानियां, चंद्रधर शर्मा गुलेरी, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
ईदगाह एवं अन्य कहानियां,, प्रेमचंद एकता प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रतिनिधि कहानियां, भीष्म साहनी किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
कथा सरित्सागर–(तीन खण्ड), बिहार राष्ट्र भाषा परिषद् पटना।
हिंदी कहानी का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
कहानी नई कहानी, नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
नई कहानी : संदर्भ एवं प्रकृति , देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
हिंदी कहानी : रचना और परिस्थिति– सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश, मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
कहानी का लोकतंत्र, पल्लव, आधार प्रकाशन , पंचकूला।
हिंदी कहानी : वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग, रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
एक दुनिया समानांतर, राजेन्द्र यादव, राजकमल, नई दिल्ली।
कहानी का ताना बाना – जोगेन्द्र पॉल, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

उपन्यास दशक – राजेन्द्र यादव, हिंदी अकादमी दिल्ली
फेंस के इधर और उधर,, ज्ञानरंजन पुस्तक संस्थान,कानपुर

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-104
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भाषा विज्ञान की अवधारणा एवं हिंदी भाषा के इतिहास की समझ विकसित करना।
- भाषा के वैज्ञानिक स्वरूप को समझते हुए हिंदी भाषा की वैज्ञानिक दृष्टि से परिचित कराना।
- भारत के भाषा परिवारों और प्रमुख भाषाओं का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों के बारे में जानकारी ।
- भाषा की रूपगत सांचना का बोध।
- हिंदी भाषा के प्रयोग और उच्चारण की क्षमता का विकास।
- अन्य भारतीय लोक भाषाओं के भाषिक स्वरूप का परिचय।
- भाषा की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान तथा हिंदी के वैश्विक महत्त्व का बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई –1

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
भाषा अध्ययन की दिशाएं –वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक
हिंदी की उपभाषाएं : पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ, पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ
हिंदी के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण
काव्य भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति

इकाई –2

ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया
स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं

इकाई –3

शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण
वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप
भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य
वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना
वाक्य के प्रकार :

(i) रचना की दृष्टि से

(ii) अर्थ की दृष्टि से

हिंदी का मानकीकरण

इकाई –4

अर्थ : परिभाषा, शब्द–अर्थ संबंध
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं
भाषा और व्याकरण संबंध
नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण
हिंदी : प्रचार–प्रसार – प्रमुख व्यक्तियों का योगदान, प्रमुख संस्थाओं का योगदान

सहायक पुस्तकें –

भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास , डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
भाषाविज्ञान एवं हिंदी , डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड सन्स, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली
हिंदी भाषा , डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद
भाषाविज्ञान , डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद
भाषाविज्ञान की भूमिका , प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली
हिंदी भाषा का इतिहास , डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग
हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप , डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
सामान्य भाषाविज्ञान , डॉ0 बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन, डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुऑ, पटना
आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली
हिंदी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु
हिंदी की आत्मा, डॉ धर्मवीर, समता प्रकाशन दिल्ली।
देवनागरी लिपि का मानकीकरण, हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली।
भारतीय आर्य भाषा और हिंदी ,सुनीति कुमार चटर्जी ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
हिंदी भाषा और नागरी लिपि का विकास, बालगोविंद मिश्र, हिंदी साहित्य प्रेस ,इलाहाबाद
भाषा साहित्य और इतिहास का पुनर्पाठ, राजेंद्र प्रसाद सिंह, सम्यक प्रकाशन ,दिल्ली
भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र ,डा. कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-105
हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- नाटक के रचना विधान और रंगमंचीय पक्ष का आधुनिक दृष्टि से ज्ञान।
- हिंदी के नाट्य साहित्य के विकास क्रम की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- साहित्यिक रूप के साथ–साथ प्रदर्शनकारी कला का अभिन्न अंग होने के कारण नाटक की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए शिक्षण पद्धति का विकास होगा
- विभिन्न भाषाओं के नाटकों के अध्ययन से उनमें व्यक्त लोक जीवन के प्रति व्यापक दृष्टि विकसित होगी।
- नाटक और रंगमंच के विकास क्रम की जानकारी, नाटककारों की नाट्य कला के अध्ययन तथा रंगमंचीय कला का ज्ञान प्राप्त करके अभिनय कला का विकास ।
- मनुष्य एवं जीवन जगत के अन्तसंम्बन्धों की समझ का विकास, रंगमंच कला के विभिन्न पहलुओं का परिचय तथा रोजगार के अवसर।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

नाटक और रंगमंच : अवधारणा और स्वरूप
हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
हिंदी रंगमंच : उद्भव और विकास
हिंदी नाटक : आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता
नाटक और रंगमंच का अंतः सम्बन्ध
नाट्य भेद

निर्देशक, अभिनेता

इकाई – 2

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी
जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी

इकाई – 3

मोहन राकेश : आषाढ का एक दिन
धर्मवीर भारती : अंधायुग

इकाई – 4

लक्ष्मी नारायण मिश्र : सिन्दूर की होली
चन्द्रशेखर : शिवधनुष

सहायक पुस्तकें –

शिवधनुष, चन्द्रशेखर, आत्माराम एंड सन्स, नई दिल्ली
अंधेर नगरी भारतेन्दु, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
अंधायुग, धर्मवीर भारती, किताब घर, नई दिल्ली
भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स
हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
मोहन राकेश और उसके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
मोहन राकेश रंग शिल्प एवं प्रदर्शन : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
नाटक दशक – हिंदी अकादमी, दिल्ली।

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-106 **(i)**
कबीरदास

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भारतीय ज्ञान परम्परा में कबीर के माध्यम से निर्गुण संतों की व्यावहारिकता व सामाजिकता का ज्ञान।
- समकालीन संदर्भो में कबीरदास की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- कबीर वाणी में निहित समाज सुधार की गहरी चिंताओं के द्वारा जीवन में सच्चे अर्थो में मनुष्यता का विकास।
- निर्गुण भक्ति के ज्ञान और प्रेम की महता के माध्यम से नयी मूल्य दृष्टि का विकास।
- आडम्बरों, कुरीतियों, और भेदभाव से मुक्त समाज निर्माण की प्रेरणा का विकास ।
- हिंदी आलोचना में कबीरदास के चिंतन से आलोचनात्मक समझ का विकास।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकार पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

कबीर का समय
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का रहस्यवाद
कबीर की भक्ति भावना
कबीर के राम
कबीर की भाषा

इकाई– 2

कबीर की क्रांति चेतना
कबीर का स्त्री–विषयक चिंतन

कबीर की मानवतावादी दृष्टि
कबीर के पारिभाषिक शब्द
अलख, सहज, शून्य, निरंजन, अजपाजाप, अनहदनाद, सुरति निरति,
नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

इकाई– 3

कबीर ग्रंथावली : सं० श्यामसुन्दर दास (निर्धारित 30 पद)
निर्धारित पद : 1 ,8, 14, 16 ,21, 23, 24, 34, 39, 41, 42, 43, 49, 57, 59,
60, 61, 64, 80, 89, 91, 92, 111, 117, 129, 132, 136, 139, 153, 156

इकाई– 4

साखी
गुरुदेव कौ अंग –1, 2, 4, 9, 11, 12, 13, 15, 20, 34 (10)
बिरह कौ अंग – 3, 6, 11, 12, 18, 22, 25 ,27, 29, 33 (10)
निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग – 2, 3, 4, 5, 6, 9, 14, 15, 16, 28 (10)
माया कौ अंग – 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 17, 20,(10)
कुसंगति कौ अंग
संगति कौ अंग
साध कौ अंग
विचार कौ अंग
कस्तूरियां मृग कौ अंग

सहायक पुस्तकें –

कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
कबीर मीमांसा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद उत्तर
भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
हिंदी काव्य में निर्गुणधारा : पीत्ताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस,
लखनऊ कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर : डॉ० राजदेव सिंह, वाणी प्रकाशन,
दिल्ली संत कबीर : डॉ० रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-106 **(ii)**
तुलसीदास

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भारतीय ज्ञान परम्परा के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- भारतीय ज्ञान परम्परा के आधार पर तुलसीदास की काव्य कला से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- तुलसीदास की युगीन परिस्थितियों से अवगत होते हुए, काव्य कला की श्रेष्ठता तथा काव्यगत मूल्यों को धारण करना।
- भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल तत्वों भक्ति नीति, दर्शन, संस्कृति, राष्ट्रप्रेम, आदि पर आधारित मूल्यों को धारण करते हुए वर्तमान को सुखद बनाना।
- अध्यात्म और भौतिकतावाद में सामंजस्य बनाने की शक्ति, क्षमता को विकसित करना।
- तुलसीदास के काव्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकार पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और तुलसीदास
रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास
तुलसी का समाज दर्शन

इकाई– 2

तुलसीदास की लोकमगंल एवं समन्वय की भावना
तुलसी काव्य की प्रासंगिकता
तुलसीदास की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई– 3

रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर)
उत्तरकाण्ड – 81 से 130 तक (दोहे चौपाइयाँ)

इकाई– 4

विनय पत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित छंद – 71,72,76,77,79,90,102,105,111,115, (10 छंद)

सहायक पुस्तकें –

गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
तुलसी , राममूर्ति त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
तुलसी दर्शन मीमांसा, उदयभानु सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : बैजनाथ प्रसाद, विशाल पब्लिकेशंस, पटना
तुलसी संदर्भ , डॉ० नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
तुलसीदास, माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
तुलसीदास, अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
भक्ति,नीति और दर्शन, हरिश्चन्द्र वर्मा, आधार प्रकाशन, पंचकूला

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्न पत्र
संगोष्ठी (Seminar)

24L6.0-HIN-107

संगोष्ठी (Seminar)

पूर्णांक : 50 अंक

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-201
आधुनिक हिंदी कविता–I

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- काव्य विकास के चरणों के साथ विद्यार्थियों को प्रमुख कवियों का ज्ञान प्रदान करना।
- नवजागरण कालीन साहित्यिक, सामाजिक, प्रवृत्तियों और परिस्थितयों से अवगत कराते हुए काव्यगत विशेषताओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- खडी बोली में कविता के आरम्भिक स्वरूप का बोध।
- देश प्रेम और राष्ट्रीय चेतना का विकास।
- तत्कालीन समाज व संस्कृति को आत्मसात करते हुए समीक्षा की दृष्टि का विकास।
- भारतेन्दु, द्विवेदी और छायावाद युगीन कवियों की संवेदना, काव्य भाषा एवं प्रवृतियों का ज्ञान।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई–1

आधुनिकता की अवधारणा और हिंदी कविता में आधुनिकता
<u>हिंदी नवजागरण</u>
भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता
राष्ट्रीय काव्यधारा
छायावाद; की पृष्ठभूमि
छायावाद की प्रवृत्तियाँ

छायावाद के प्रमुख कवि
छायावादोत्तर काव्य

इकाई–2

निर्धारित कविताएँ
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – निज भाषा उन्नति अहै
मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती (वर्तमान खंड)
जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई–3

निर्धारित कविताएँ
निराला : राम की शक्ति पूजा
सुमित्रानंदन पंत : भारत माता, नौका विहार, प्रथम रश्मि

इकाई–4

महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मै तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे
दिनकर : रश्मिरथी – षष्ठ सर्ग

सहायक पुस्तकें –

हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास,(खण्ड–8,9,10), नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।
आधुनिकता बोध, रामधारी सिंह दिनकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य , वीरभारत तलवार, किताब घर, नई दिल्ली।
छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
निराला की साहित्य साधना–1,2,3, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
निराला : एक आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद।
कामायनीः एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
कामायनीः एक पुनर्मूल्यांकन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती इलाहाबाद।
महादेवी वर्मा, दूधनाथ सिंह, राजकमल, नई दिल्ली।
पंत और पल्लव– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', गंगा ग्रंथागार, लखनऊ।
जयशंकर प्रसाद, नंददुलारे वाजपेयी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
छायावाद और नवजागरण, महेन्द्रनाथ राय , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
कल्पना और छायावाद, केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी में छायावाद, मुकुटधर पाण्डेय , तिरुपति प्रकाशन, हापुड़।
छायावाद का पतन ,देवराज उपाध्याय, श्री विद्यापति ,छपरा
आधुनिक हिंदी कविता ,कमला प्रसाद ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
काव्य और कला पक्ष तथा अन्य निबंध, जयशंकर प्रसाद ,लोकभारती प्रकाशन ,दिल्ली
छायावाद की प्रासंगिकता, रमेशचंद्र शाह, वाग्देवी पॉकेट बुक्स ,बीकानेर राजस्थान

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-202
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी गद्य के उद्भव और विकास का विशिष्ट ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- आधुनिक काल की विविध प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं का ज्ञान ।
- इतिहास लेखन और साहित्य की विभिन्न विधाओं के विकास की समझ।
- आधुनिक अवधारणाओं के परिचय से समकालीन स्थितियों के लिए प्रासंगिक विषयों का निर्माण करने की समझ का बोध।
- साहित्य में आलोचना की विभिन्न धाराओं के प्रति एक महत्त्वपूर्ण दृष्टिकोण का विकास

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

हिंदी गद्य का उदभव और विकास
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक नवजागरण
भारतेंदुमंडल और उनका युग
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक
राष्ट्रवादी एवं स्वछन्दतावादी काव्यधारा के कवियों का परिचय

इकाई– 2

छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य और प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और काव्य
प्रयोगवाद के मुख्य कवि और काव्य

नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि

इकाई– 3
(हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास –1)

कहानी और उपन्यास
नाटक और एंकाकी
निबन्ध
आलोचना

इकाई– 4
(हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास –2)

आत्म कथा ,जीवनी, ,संस्मरण रेखाचित्र रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य, डायरी
हिंदी का प्रवासी साहित्य
प्रमुख अस्मितावादी विमर्श (स्त्री ,दलित, आदिवासी, किसान, पर्यावरण)
पत्र पत्रिकाएँ

सहायक पुस्तकें–

हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास ,बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
उपन्यास और लोकतन्त्र, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं, अवधेश प्रधान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आदिवासी साहित्य का इतिहास, हरिराम मीणा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
इतिहास क्या है : ई०एच०कार – मैकमिलन प्रकाशन

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-203
कथेतर हिंदी साहित्य

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की जानकारी प्रदान करना।
- विभिन्न कथेतर गद्य लेखकों की रचनाओं का बोध।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी गद्य की निर्माण भूमि के बारे में जानकारी।
- लेखन परम्परा का ज्ञान बोध व आलोचनात्मक समझ का विकास।
- आधुनिकता और गद्य के अन्तर्सम्बन्धों का बोध।
- युगीन संदर्भों के आलोक में गद्य विधाओं का बोध।

नोट :–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

हिंदी गद्य की निर्माणभूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज
आधुनिकता और गद्य का अंतर्सम्बन्ध
भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्यकारों का योगदान : गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह
हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का योगदान
हिंदी निबंध रेखाचित्र, यात्रा–वृतांत, संस्मरण, रिपोर्ताज, आत्मकथा, जीवनी, डायरी, व्यंग्य और लघुकथा लेखन की परंपरा का संक्षिप्त अध्ययन

इकाई– 2

निबंध

बालकृष्ण भट्ट : साहित्य जनसमूह के ह्रदय का विकास
रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है
हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाखून क्यों बढते हैं
अध्यापक पूर्ण सिंह : मजदूरी और प्रेम
धर्मवीर भारती : मानव मूल्य और साहित्य

इकाई– 3

संस्मरण

महादेवी वर्मा : (अतीत के चलचित्र) – रामा, बिन्दा, घीसा लछमा, सबिया,

आत्मकथा

हरिवंश राय बच्चन : क्या भूलू क्या याद करूं

इकाई– 4

जीवनी

विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा का अंश –पहला पर्व

यात्रावृतान्त

अज्ञेय : अरे यायावर रहेगा याद

सहायक पुस्तकें –

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भारतेन्दु युग और हिंदी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज : सं० शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
हिंदी गद्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
श्रेष्ठ निबंध, आचार्य रामचंद्र शुक्ल ,संपादक रामचंद्र तिवारी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
सरदार पूर्ण सिंह अध्यापक के निबंध ,संपादक प्रभात शास्त्री ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
हजारी प्रसाद द्विवेदी, संकलित निबंध ,संपादक नामवर सिंह ,नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
अतीत के चलचित्र ,महादेवी वर्मा ,लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
हिंदी कथेतर गद्य, परंपरा और प्रयोग, दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिक हिंदी गद्य का विकास और विश्लेषण, विजयमोहन सिंह ,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
हिंदी गद्य इधर की उपलब्धियां ,पुष्पपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-204
भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- काव्यशास्त्र की निर्मिति – प्रक्रिया और उसकी अंतर्वस्तु से परिचय कराना।
- भारतीय काव्यशास्त्र के ज्ञान से अतीत और वर्तमान के बीच आलोचनात्मक सम्बन्धों का निर्माण।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- भारतीय काव्यशास्त्र की सम्पूर्ण रूपरेखा का ज्ञान।
- रचनाओं के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा
- प्राचीन भारतीय साहित्यिक विचारों का बोध।
- सौन्दर्यात्मक आनंद के सिद्धान्त और साहित्यिक सिद्धान्तों के विभिन्न रूपों का बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

काव्य : अर्थ और परिभाषा, काव्य के तत्व
काव्य : स्वरूप और प्रकार
काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन
काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

इकाई– 2

रस––सिद्धान्त
रस : परिभाषा तथा स्वरूप
रस–निष्पत्ति,
साधारणीकरण

अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

इकाई– 3

रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

इकाई– 4

ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

सहायक पुस्तकें –

काव्यशास्त्र–भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
भारतीय काव्यशास्त्र, योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
भारतीय काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
साहित्यालोचन, श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग ।
हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास, भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
आलोचक और आलोचना, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
साहित्य का आधार दर्शन, जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी ।
हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-205
जनसंचार माध्यम एवं हिंदी

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- हिंदी मीडिया संरचना और उपांगों की समझ विकसित करना।
- मीडिया लेखन की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान तथा विद्यार्थियों में भाषायी दक्षता व कौशल विकास करना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- टी०वी० लेखन, रेडियो, पत्रकारिता, समीक्षा, सम्पादकीय लेखन आदि की तकनीकी समझ का विकास।
- जनसंचार की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर छात्रों में विभिन्न प्रकार के लेखन कार्यो की समझ का विकास।
- मीडिया की ताकत के विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- अधिकारिक प्रक्रियाओं और तकनीकी शब्दों के निष्पादन में दक्षता का विकास।

नोट :–
1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

जनसंचार : अवधारणा, स्वरूप और विकास
जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार
जनसंचार और हिंदी

इकाई – 2

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि)
प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि)
प्रिंट मीडिया की भाषा

इकाई – 3

इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरूप
इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिए लेखन (टी०वी०, रेडियो, फिल्म आदि)
कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार चैनल, रिपार्टिंग, मनोरंजन, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि)

इकाई – 4

सोशल मीडिया और हिंदी
ई–कॉमर्स, ई–बिजनस, ई–पत्रिका आदि
सोशल मीडिया की भाषा

सहायक पुस्तकें –

पटकथा लेखन एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
हिंदी विज्ञापन की भाषा, आशा पाण्डेय, ब्लैकी एंड एन पब्लिकेशंस, दिल्ली
समाचार संकलन एवं लेखन, नंद किशोर त्रिखा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन, रमेश जैन, आधार प्रकाशन, पंचकूला
जनसंचार माध्यमों में हिंदी, चंद्र कुमार, क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली
पत्रिका संपादन कला, रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
संस्कृति विकास और संचार क्रांति, पी०सी० जोशी
हिंदी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास, अर्जुन तिवारी
साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार, रामशरण जोशी
पत्रकारिता में अनुवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
सोशल मीडिया कल, आज और कल, स्वर्ण सुमन, इंडिया लिमिटेड प्रकाशन
इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया, डॉ जगदीप सिंह, नेशनल प्रेस, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-206 **(i)**

(प्रेमचन्द)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रेमचन्द युगीन परिस्थितियों, साहित्य दर्शन और साहित्यिक योगदान का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- प्रेमचन्द की साहित्यिक संवेदना और भाषा का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- प्रेमचन्द युगीन सामाजिक सरोकारों व मूल्यों की समझ का विकास।
- नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य की भूमिका का पक्ष स्पष्ट होगा।
- भाषा और राष्ट्र के महत्त्व का बोध।
- जीवन और साहित्य के मूल्य की समझ।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकार पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द
प्रेमचन्द की साहित्य दृष्टि
प्रेमचन्द और पत्रकारिता
प्रेमचन्द और किसान
प्रेमचन्द : स्त्री एवं दलित प्रश्न
प्रेमचन्द की कथा भाषा
प्रेमचन्द का आदर्श और यथार्थ

इकाई – 2

उपन्यास : रंगभूमि

इकाई – 3

कहानियाँ : बड़े घर की बेटी, कफन, दुनिया का अनमोल रतन, यही मेरा वतन है, मंत्र, नमक का दारोगा

इकाई – 4

निबंध एवं लेख : साहित्य का उद्देश्य, राष्ट्रभाषा हिंदी और उसकी समस्याएं, हिन्दू सभ्यता और लोकहित, स्वामी श्रद्धानंद और भारतीय शिक्षा प्रणाली,

सहायक पुस्तकें –

कलम का सिपाही – अमृतराय , साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
प्रेमचंद घर में, शिवरानी देवी, सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी
प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद और भारतीय किसान, डॉ० रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन, नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
मानसरोवर (भाग 1 से 8) : प्रेमचंद, प्रकाशन संस्थान
आलोचना का जनपक्ष, चंद्रबली सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद चिंतन और कला, सं० इंद्रनाथ मदान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंध, सं० सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन
भारतीय समाज राष्ट्रवाद और प्रेम चन्द, जितेन्द्र श्री वास्तव, सामयिक प्रकाशन
दिल्ली
नई सदी की दहलीज पर, विनोद तिवारी, विजया बुक्स, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-206 **(ii)**
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- अज्ञेय युगीन परिस्थितियों, साहित्य दर्शन और साहित्यिक योगदान का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- अज्ञेय की साहित्यिक संवेदना और भाषा का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- अज्ञेय युगीन सामाजिक सरोकारों व मूल्यों की समझ विकसित होगी।
- अज्ञेय के साहित्य अवदान की समझ।
- भाषा और राष्ट्र के महत्त्व का बोध।

- अज्ञेय की कविता कहानियों तथा साहित्य चिंतन की विशिष्टता बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

कवि अज्ञेय, तार सप्तक और प्रयोगवाद
अज्ञेय के काव्य में प्रेम और सौंदर्यानुभूति
अज्ञेय की साहित्य दृष्टि और अस्तित्ववाद
अज्ञेय का कथा साहित्य
अज्ञेय की भाषा और शिल्प

इकाई – 2

कविताएँ

असाध्य वीणा, हरी घास पर क्षण भर, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, कितनी नावों में कितनी बार

इकाई– 3

उपन्यास : नदी के द्वीप

इकाई– 4

कहानी : रोज, पगौडा वृक्ष, पठार का धीरज, शरणार्थी, हीलीबोन की बत्तखे
निबंध : कला का स्वभाव एवं उद्देश्य, साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया

सहायक पुस्तकें –

अज्ञेय, आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,
इलाहाबाद अज्ञेय रचनावली, सं० कृष्णदत्त पालीवाल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
अज्ञेय, सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
अज्ञेय और नयी कविता, सं० चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर,वाराणसी
अज्ञेय, कवि कर्म का संकट, कृष्णदत्त पालीवाल
अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग, श्रीलाल शुक्ल

तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-301
आधुनिक हिंदी कविता–2

पूर्णांकः 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- काव्य विकास के चरणों के साथ प्रमुख हिंदी कविता की वैचारिक– सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से परिचय।
- छायावादोत्तर हिंदी कविता की प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों का परिचय देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- कविता की विकास यात्रा के विविध सोपानों का ज्ञान ।
- तत्कालीन समय, समाज, संस्कृति को आत्मसात करते हुए समीक्षा की दृष्टि का विकास।
- देश प्रेम और राष्ट्रीय चेतना का विकास।
- युग के कवियों द्वारा योगदान किए गये कार्यो का बोध।

नोट :–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश
प्रगतिवाद : युगबोध, सौन्दर्यबोध और प्रवृत्तियाँ,
प्रयोगवाद : युगबोध, सौन्दर्यबोध, प्रयोगधर्मिता

इकाई – 2

नई कविता : आधुनिकताबोध, अस्तित्ववाद, लघुमानववाद
समकालीन कविता : भूमण्डलीकरण,, अस्मितामूलक स्वर, सौन्दर्यबोध और प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3

अज्ञेय : असाध्य वीणा
गजानन माधव मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल–गलती
केदारनाथ अग्रवाल : मांझी न बजाओ वंशी, चन्द्रगहना से लौटती बेर, केन नदी
भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, गाँव

इकाई – 4

श्री नरेश मेहता : निज पथ, किरण धेनुएं
अशोक वाजपेयी : बच्चे एक दिन, एक बार जो ढल जाएंगे
कुंवर नारायण : नचिकेता, चक्रव्यूह
अनामिका : स्त्रियाँ, बेजगह

सहायक पुस्तकें –

नयी कविता और अस्तिववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
एक साहित्यिक की डायरी, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
कल्पना का उर्वशी विवाद, सं० गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
मुक्तिबोध, ज्ञान और संवेदना, नदं किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
प्रगतिवाद, शिवदान सिंह चौहान, प्रदीप कार्यालय, मुरादाबाद
नेहरू युग और अकविता, वेद प्रकाश, नवचेतन प्रकाशन, दिल्ली
कवि कह गया है, अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
मेरे समय के शब्द, केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
साठोत्तरी हिंदी कविता, परिवर्तित दिशाएं : विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय , वाणी प्रकाशन, दिल्ली
कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
कवि कह गया है, अशोक वाजपेयी – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
संस्कृति का अकेलापन, डॉ० दुर्गाप्रसाद गुप्त, संजय प्रकाशन, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-302

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी प्लेटो से लेकर आई.ए.रिचर्ड्स जैसे पाश्चात्य विचारकों से परिचित होगें।
- विद्यार्थी विभिन्न पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों व वादों से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम –

- विद्यार्थियों को विविध पाश्चात्य विचारकों की कला सम्बन्धी मान्यताओं के ज्ञान का बोध होगा।
- विविध सिद्धान्तों के गहन अध्ययन से निरन्तरता और परिवर्तन के तत्वों को विद्यार्थी पहचान सकेंगे।
- पश्चिमी साहित्यिक विचारों, सिद्धान्तों रूपों और पश्चिमी परम्परा के काव्य विचारों और पश्चिमी आलोचकों के सैद्धान्तिक विचारों के इतिहास का बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धांत
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई– 2

ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

इकाई– 3

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी0 एस0 इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
आई0 ए0 रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

इकाई– 4

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद–

स्वच्छन्दतावाद
अभिव्यंजनावाद
मार्क्सवाद
फ्रायडवाद
अस्तित्ववाद
उत्तर आधुनिकतावाद, नई समीक्षा

सहायक पुस्तकें –

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त,डॉ0 मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र,देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, डॉ0 तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली ।
आलोचक और आलोचना, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया, हौसिला प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ0 करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ, सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद ।
हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
नई समीक्षा के प्रतिमान, डॉ.निर्मला जैन संपादक ,नेशनल प्रकाशन, दिल्ली
पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास ,डॉ.तारकनाथ बाली, मैक्मिलन, दिल्ली
पाश्चात्य समीक्षा और समीक्षक डॉ0 शेखर शर्मा, प्रासंगिक प्रकाशन, दिल्ली,
पाश्चात्य समीक्षा दर्शन, डॉ.जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेंद्रनाथ शर्मा ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-303 (i)

लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- लोक और लोक साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- लोक साहित्य और उनके विविध माध्यमों से परिचित होना।
- लोक अस्मिता, प्रसिद्ध लोक गायकों की रचनाओं और उनके प्रस्तुति माध्यम का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- लोक की अवधारणा और लोक साहित्य की सैद्धान्तिक समझ का विकास।
- लोक संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ने से समाज में एकात्म भाव का विकास।
- परम्पराओं का वैज्ञानिक अध्ययन होने से नित नूतन प्रयोगों की क्षमता का विकास।
- भारतीय संस्कृति की धरोहर को जिंदा रखने और उसे पुनर्जीवित करने की प्रेरणा का बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 4 से पाँच अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
लोक साहित्य का इतिहास
लोक संस्कृति और साहित्य
लोक साहित्य : परम्परा एवं प्रयोग

इकाई– 2

साहित्य और लोक का अन्तर एवं अंतःसंबंध
लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया

लोक साहित्य के संकलन और दस्तावेजीकरण की समस्याएं

इकाई– 3

लोकगीत
लोककथा
लोकगाथा (सांग)
लोकनाट्य

इकाई– 4

हरियाणवी बोली : उद्भव और विकास
हरियाणवी उपबोलियों का परिचय

हरियाणा के लोकगीत

(पुस्तक का शीर्षक : हरियाणा के लोकगीत, लेखक : साधुराम शारदा)
ऋतु गीत – 1. सावन के गीत (1,8,9,25,30)
2. फागुन के गीत (1,2,3)

हरियाणा की नौटंकी –

(पं0 लख्मीचन्द ग्रंथावली संम्पादक पूर्णचन्द शर्मा)
ज्यानी चोर
शाही लकड़हारा

हरियाणवी लोकनाट्य

(पं0 लख्मीचन्द ग्रंथावली संम्पादक पूर्णचन्द शर्मा)
नल दमयन्ती
सत्यवान सावित्री

सहायक पुस्तकें –

पं0 लख्मीचन्द ग्रंथावली सं0 पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
भारत में लोक साहित्य, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद, बद्री नारायण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
परम्परा, इतिहास और संस्कृति, श्यामचरण दूबे, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
पंचदश लोकभाषा, निबंधावली, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
भोजपुरी भाषा और साहित्य, उदयनारायण तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
स्वप्न प्रक्रिया, विजयदान देथा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
भारत की लोकभाषाएं, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
भारत में आदिवासी क्षेत्र की लोककथाएं, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
भिखारी ठाकुर रचनावली, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन, डॉ० पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, डॉ० शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
हरियाणवी साहित्य का इतिहास, डॉ० बाबूराम एवं रघुवीर मथाना, लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन, रोहतक

हरियाणवी भाषा और साहित्य, डॉ० बाबूराम, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
लोकगीतों का बुगचा ,निर्मल, वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
लोक साहित्य विज्ञान, डॉ सत्येंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी का प्रादेशिक लोक साहित्य शास्त्र , डॉ. नंदलाल कल्ला ,राजस्थानी ग्रन्थागार, 2018

तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-303 (ii)
प्रवासी साहित्य

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- प्रवासी हिंदी साहित्य के आस्वादन एवं समीक्षण की दृष्टि विकसित करना।
- प्रवासी साहित्य की विविध विधाओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- प्रवासी हिंदी साहित्य के विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त होने से समीक्षात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- प्रवासी हिंदी साहित्य के समय, समाज और संस्कृति के विविध पक्षों से परिचित होना।
- भारतीय हिंदी साहित्य के साथ तुलना की समझ।
- प्रवासी हिंदी साहित्य के हिंदी में अवदान की जानकारी।

नोट :–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई –1

प्रवासी साहित्य : अर्थ , परिभाषा और स्वरूप
हिंदी प्रवासी साहित्य का इतिहास और विकास
हिंदी प्रवासी साहित्य की प्रवृतियाँ और चुनौतियाँ

वैश्विक पटल पर प्रवासी साहित्य की भूमिका

इकाई –2

प्रवासी हिंदी कविता
सुरेश चंद्र शुक्ल – दूर देश से आयी चिट्ठी
दिव्या माथुर – स्त्री का इंद्रधनुष
रामातक्षक – धरती को जीने दो

इकाई –3

प्रवासी हिंदी उपन्यास
रामदेव धुरंधर – पथरीला सोना
सुषम बेदी – हवन

इकाई –4

प्रवासी हिंदी कहानी
तेजेंद्र शर्मा – ये उत्सव मेरा है
सुधा ओम ढींगरा–कौन सी जमीन अपनी
जकिया जुबैरी – सांकल

सहायक पुस्तकें–

वर्तमान साहित्य (प्रवासी साहित्य विशेषांक), सं० कुंवरपाल सिंह – अलीगढ़
समकालीन कथा साहित्य, सरहदें और सरोकार, डॉ० रोहिणी अग्रवाल आधार प्रकाशन, पंचकूला
प्रवासी संसार, सं० राकेश पाण्डेय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
ब्रिटेन में हिंदी , उषा राजे सक्सेना, मेधा बुक्स, नई दिल्ली
अन्यथा अंक 4, सं० कृष्ण किशोर, अमेरिका
प्रवासी कहानियाँ, सं० हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
लाल पसीना (उपन्यास), अभिमन्यु अनत – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी का प्रवासी साहित्य, डॉ0 कमल किशोर गोविंदा का अमित प्रकाशन, पुणे
कथा सूरीनाम, पुष्पिता अवस्थी, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रवासी लेखन नई जमीन, अनिल जोशी,, नया आसमान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
विश्व पटल पर हिंदी, सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
हम प्रवासी, अभिमन्यु अनंत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-304 (i)
सूरदास

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- तत्कालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों को सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- सूरदास की काव्य कला से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम –

- कृष्ण काव्य परम्परा में सूरदास के साहित्यिक अवदान का ज्ञान।
- सूरदास की युगीन परिस्थितियों से अवगत होते हुए, काव्य कला की श्रेष्ठता तथा काव्यगत मूल्यों को धारण करना।
- भारतीय ज्ञान परम्परा के परिप्रेक्ष्य में कृष्ण भक्ति नीति, दर्शन, संस्कृति, राष्ट्रप्रेम, आदि पर आधारित मूल्यों को धारण करते हुए वर्तमान को सुखद बनाना
- अध्यात्य और भौतिकतावाद में सामंजस्य बनाने की शक्ति, क्षमता को विकसित करना

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकार पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

भ्रमरगीत परम्परा और सूरदास का भ्रमरगीत
सूरदास का दार्शनिक दृष्टिकोण
सूरदास का प्रकृति–निरूपण
सूरदास का सौन्दर्य बोध

इकाई – 2

सूरदास की भक्ति भावना
सूरदास का वात्सल्य वर्णन
सूरदास के काव्य में गीति तत्व
सूरदास की काव्य–भाषा

इकाई – 3

सूरसागर सार (संपादक डॉ० धीरेन्द्र वर्मा)
विनय तथा भक्ति – 1, 2, 4, 10, 22, 23, 24, 25, 34, 39, 42, 45, 46, 49, 50
गोकुल लीला – 4, 5, 7, 8, 10, 12, 14, 18, 25, 35

इकाई– 4

सूरसागर सार (संपादक डॉ० धीरेन्द्र वर्मा)
वृंदावन लीला – 13, 14, 42, 45, 50, 51, 60, 61, 78, 86, 96, 102, 111, 122, 145
राधा कृष्ण लीला – 1, 2, 9, 28, 29, 34, 40, 41, 60, 63

सहायक पुस्तकें –

सूरसागर (श्रीकृष्ण लीलात्मक) (पाँच खण्ड), डॉ० किशोरी लाल गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
महाकवि सूरदास, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य , मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
सूरदास और उनका भ्रमरगीत, डॉ० श्रीनिवास शर्मा, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
सूर संचयिता, सं० मैनेजर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
सूरसागर में भक्ति विवेचन और विश्लेषण, डॉ० उषा कुमारी, निर्मल पब्लिकेशन्स्, दिल्ली
सूरकाव्य में लोक–दृष्टि का विश्लेषण, डॉ० मीरा गौतम, निर्मल पब्लिकेशन्स्, दिल्ली
सूर साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय, दीनदयाल गुप्त, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
सूरदास, बृजेश्वर वर्मा, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद
पांच भक्त कवि, मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
प्राचीन कवि, विशंभर मानव, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-304 (ii)
मीराबाई

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- मीरा के जीवन, सृजन कर्म और उसके प्रभाव का अध्ययन।
- भक्ति काव्य परम्परा में मीरा के अवदान की जानकारी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- मीरा की युगीन परिस्थितियों से अवगत होते हुए, काव्य कला की श्रेष्ठता तथा काव्यगत मूल्यों को धारण करना।
- भक्ति, नीति, दर्शन, संस्कृति, राष्ट्र प्रेम, आदि पर आधारित मूल्यों को धारण करना।
- अध्यात्य और भौतिकतावाद में सामंजस्य बनाने की शक्ति, क्षमता को विकसित करना
- मीरा की लोक व्याप्ति के विभिन्न आयामों और उपादानों का ज्ञान।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकार पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

मीराबाई का समय और समाज
मीराबाई का जीवन
मीराबाई और हिंदी आलोचना

इकाई– 2

मीराबाई की कृष्णभक्ति
मीराबाई और स्त्री–प्रश्न
मीराबाई की भाषा और सौंदर्यबोध

इकाई– 3

मीराबाई की पदावली (प्रथम खण्ड) : संपादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
निर्धारित 25 पद : 1, 2, 3, 4, 5, 9, 14, 15, 17, 18, 19, 20, 22, 23, 29, 30, 32, 33, 34, 36, 38, 39, 45, 46, 57

इकाई– 4

मीराबाई की पदावली (द्वितीय खण्ड) : संपादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
निर्धारित 25 पद : 63, 64, 65, 66, 68, 70, 73, 74, 76, 79, 80, 81, 82, 83, 85, 87, 89, 90, 92, 93, 97, 102, 104, 108, 112

सहायक पुस्तकें :–

मीराबाई का जीवन परिचय , मुंशी देवी प्रसाद, बंगीय हिंदी परिषद्, कोलकाता
मीरा स्मृति ग्रंथ, बंगीय हिंदी परिषद्, कोलकाता
मीरा का जीवन और काव्य (दो भाग), डॉ० सी०एल० प्रभात, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
श्रीभक्तमाल (टीका कवित्त), प्रियादास, श्री वेंकटेश्वर प्रेस, मुम्बई
चौरासी वैष्णव की वार्ता, गोकुलनाथ, पूजा प्रेस, अहमदाबाद
पद प्रसंग माला, नागरीदास, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
वीर विनोद (भाग दो), श्यामलदास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
उदयपुर का इतिहास, गौरीशंकर हीराशंकर ओझा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
मीरा का जीवन, अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
मीरा का काव्य , विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
स्त्री लेखन, स्वप्न और संकल्प, डॉ० रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
मीराबाई, चन्द्रा सदायत, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
फिर से मीरा, संपादक पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला

तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-305 (ii)

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचय, शोध एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास।
- शोध कार्य करने के लिए व्यवस्थित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- शोध प्रविधि का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान
- हिंदी साहित्य के शोध एवं अंतर अनुशासनात्मक शोध दृष्टि को विकसित करना
- शोध विषय में गुणात्मक एवं मात्रात्मक तथ्यों का विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण एवं कौशल विकास को विकसित करना

नोट :–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई –1

शोध अर्थ ,परिभाषा ,स्वरूप और विशेषताएं
शोध के प्रयोजन
शोध का क्षेत्र
शोध प्रकृति और सीमाएं

इकाई –2

शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, आलोचनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध, तुलनात्मक शोध, अन्तरविद्यावर्ती शोध – (समाजशास्त्रीय शोध, भाषा वैज्ञानिक शोध, शैली वैज्ञानिक शोध, मनोवैज्ञानिक शोध, सौन्दर्यशास्त्रीय शोध)

इकाई –3

शोध की प्रक्रिया : प्रवेश प्रक्रिया, विश्वविद्यालय चयन, निर्देशक चयन,

विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन विभाजन तथा संयोजन, सर्वेक्षण,
प्रामाणिकता : अन्तःसाक्ष्य तथा बहिःसाक्ष्य

इकाई –4

शोधार्थी के गुण, शोध निर्देशक के गुण
रूपरेखा निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति, संदर्भ ग्रंथ सूची,
उद्धरण तथा सन्दर्भोल्लेख (पाद टिप्पणी),
साहित्यिक चोरी

सहायक पुस्तकें–

हिंदी अनुसंधान, विजयपाल सिंह, राजपाल एंड संस दिल्ली।
नवीन शोध विज्ञान , तिलक सिंह,प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
शोध प्रविधि, विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली।
अनुसंधान का विवेचन, उदय भानु सिंह, हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली।
भारतीय पाठालोचन की भूमिका, एस.एस. कन्ने, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
अनुसंधान विधिः डॉ जोगेश कौर हिंदी शोध ग्रंथों के संदर्भ में निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
अनुसंधान की प्रविधि, डॉ सावित्री सिंहा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिंदी अनुसंधान, डॉ विजय पाल सिंह, लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
शोध और सिद्धांत, नगेंद्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
हिंदी संशोधन की रूपरेखा, मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन ,जयपुर।

तृतीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-305 (ii)

हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना से छात्रों में राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करना।
- राष्ट्रीय चेतना में सामाजिक जागृति और नैतिक मूल्यों पर बल देते हुए जन–जन को प्रेरित करने का स्तुत्य प्रयास

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संदर्भो में राष्ट्रीयता की भावना का विकास होगा।
- छात्रों में देश प्रेम स्वतंत्रता के लिए समर्पण और राष्ट्र के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का विकास होगा।

- राष्ट्रीयता की भावना, समूह प्रगति और पारस्परिक सहयोग की प्रेरणा विकसित होगी।
- राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव की भावना के साथ देश के प्रति जिम्मेदारी का अहसास।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई –1

राष्ट्रीय काव्यधारा का अर्थ और स्वरूप
भारतीय साहित्य और नवजागरण
भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय चेतना
आधुनिक भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता

इकाई –2

माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला, मुक्त गगन हैं, मुक्त पवन है, निःशस्त्र सेनानी
रामनरेश त्रिपाठी – वह देश कौन सा हैं, युवकों की रण–यात्रा, स्वदेश गौरव

इकाई –3

सियारामशरण गुप्त – हम सैनिक हैं, शंखनाद, जग में अब भी गूंज रहे हैं

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – विप्लव गायन , विद्रोही, अरे तुम हो काल के भी काल

इकाई –4

सुभद्रा कुमारी चौहान – झाँसी की रानी, जलियांवाला बाग में बसंत
श्यामनारायण पांडे – हल्दी घाटी (द्वादश सर्ग)
रामधारी सिंह दिनकर – शहीद–स्तवन, मंगल–आह्वान

सहायक पुस्तकें –

हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं सामाजिक संस्कृति संगठन, डॉ0 अमरनाथ दुबे, लोकहित प्रकाशन, लखनऊ
हिंदी पत्रकारिता आधुनिक संदर्भ, डॉ0 देवेंद्र प्रकाश मिश्रा, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी के युग – निर्माता माखनलाल चतुर्वेदी, डॉ0 शिव कुमार अवस्थी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

डॉ0 संजय कुमार सिंह, कला एवं धर्म शोध संस्थान, वाराणसी
हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना, देशराज पथिक, कादंबरी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य की 20वीं शताब्दी, नंददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रेस, इलाहाबाद
सुभद्रा समग्र,सुभद्रा कुमारी चौहान, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
साहित्य और दृष्टि, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य : युग और प्रवृतियां, डॉ0 शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
हल्दीघाटी, श्री श्याम नारायण पांडेय, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद
द्विवेदी युग के साहित्यकारों के कुछ पत्र, संपादक, बैजनाथ सिंह विनोद, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
महाकवि श्याम नारायण पांडेय, डॉ विजयानन्द, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
हिंदी वीर काव्य संग्रह, संपादक श्री गणेशप्रसाद द्विवेदी, हिंदुस्तानी एकेडमी
आधुनिक हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, डॉ तारकनाथ बाली, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
आधुनिक हिंदी कविता में राष्ट्रीय चेतना, संपादक डॉ माधुरी पाण्डेय गर्ग, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

तृतीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-306 (i)

भारतेंदु हरिश्चंद्र

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्क्रम का उद्देश्य

- भारतेंदु हरिश्चंद्र के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय।
- नवजागरण एवं भारतेंदु युगीन प्रवृतियों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- भारतेंदु हरिश्चंद्र पूर्व हिंदी गद्य की निर्माण भूमि के बारे में ज्ञान
- भारतेंदु हरिश्चंद्र के हिंदी भाषा के निर्माण में अवदान का ज्ञान
- भारतेंदु हरिश्चंद्र के काव्य सरोकारों, नाटक, पत्रकारिता, जीवन मूल्यों एवं शिल्प का बोध
- नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान का ज्ञान

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकार से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई –1

भारतेंदु हरिचन्द्र का जीवन और साहित्य
भारतेंदु युगीन परिस्थितियाँ
भारतेंदु और उनका मंडल
भारतेंदु और हिंदी नवजागरण
भारतेंदु और पत्रकारिता
काव्यभाषा और शिल्प ,भारतेंदु युग में साम्राज्य विरोधी चेतना तथा स्वदेश प्रेम का विकास

इकाई –2

नाटक : भारत दुर्दशा

इकाई –3

निबंध : स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन
दिल्ली दरबार दर्पण हिंदी भाषा , भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है

इकाई –4

कविता : गंगा वर्णन, मूक प्रश्न, प्रबोधिनी, मुकरियाँ

सहायक पुस्तकें –

भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
भारतेंदु का नाट्य साहित्य, डॉ. वीरेंद्र कुमार, प्रकाशक रामनारायण लाल, प्रयाग
हिंदी साहित्य का इतिहास ,रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी
भारतेंदु के निबंध, डॉ.केसी नारायण शुक्ला, सरस्वती मंदिर बनारस
भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन, गोपीनाथ तिवारी ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
भारतेंदु साहित्य, डॉ.रामगोपाल सिंह चौहान, सर्वोदय साहित्य मंदिर ,हैदराबाद
भारतेंदु हरिश्चंद्र ,लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ,साहित्य भवन, इलाहाबाद
भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
भारतेंदु ग्रंथावली (सभी खंड) संपादक , ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी
भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का जीवन–चरित्र ,राधाकृष्ण दास, उत्तर प्रदेश, हिंदी संस्थान, लखनऊ
भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन, गोपीनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-306 (ii)
बालमुकुंद गुप्त

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्क्रम का उद्देश्य

- बालमुकुंद गुप्त के जीवन, सृजन और दर्शन की जानकारी।
- नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में बालमुकुंद गुप्त युगीन पत्रकारिता से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- बालमुकुंद गुप्त के साहित्यिक अवदान का ज्ञान होगा।
- विद्यार्थियों में बालमुकुंद गुप्त की पत्रकारिता, जीवन मूल्यों एवं शिल्प का बोध होगा।
- नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य के योगदान का ज्ञान
- बालमुकुंद गुप्त की पत्रकारिता एवं काव्य – सरोकारों का ज्ञान।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकार पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई –1

बालमुकुंद गुप्त : जीवन और सृजन
नवजागरण और बालमुकुंद गुप्त
बालमुकुंद गुप्त : किसान चेतना
बालमुकुंद गुप्त : पत्रकारिता

इकाई –2

निबंधकार बालमुकुंद गुप्त, बालमुकुंद और भाषा के प्रश्न
बालमुकुंद गुप्त के साहित्य में व्यंग्य

इकाई –3

शिवशम्भू के चिट्ठे : बनाम लार्ड कर्जन, श्रीमान का स्वागत, वैसराय का स्वागत, पीछे मत फेंकिये, आशा का अंत, एक दुराशा, विदाई सम्भाषण, बंग विच्छेद

इकाई –4

कविताएँ : भैस का स्वर्ग, पोलिटिकल होली, बड़े लाट कर्जन, सच्चाई

सहायक पुस्तकें –

बालमुकुंद गुप्त रचनावली (भाग –2, 3 ,4) संपा. के .सी.यादव ,हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, गुडगांव
बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली, संपादक नत्थन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
बालमुकुंद गुप्त, स्मारक ग्रंथ, झाबरमल शर्मा व बनारसी दास चतुर्वेदी, गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशक समिति, कलकत्ता
बालमुकुंद गुप्त, संकलित निबंध, संपादक कृष्णदत्त पालीवाल, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
बालमुकुंद गुप्त विशेषांक, संपादक सुभाष चंद्र, देश हरियाणा, कुरुक्षेत्र अंक
बाबू बालमुकुंद गुप्त, जीवन और साहित्य, नत्थन सिंह, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
बालमुकुंद गुप्त, निबंधों की दुनिया, सं0 रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी की अनस्थिरता : एक ऐतिहासिक बहस, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालमुकुंद गुप्त एवं अन्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
शिवशंभू के चिट्ठे, बालमुकुंद गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
गुप्तजी, गुड़ियानी और गुमनामी की पीर, सत्यवीर नहाड़िया, समदर्शी प्रकाशन, मेरठ
बालमुकुंद गुप्त के श्रेष्ठ निबंध, सत्यप्रकाश मिश्रा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

तृतीय सेमेस्टर
सप्तम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-307
हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन

पूर्णांक : 50
लिखित : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य –

- हिंदी मीडिया संरचना और उपांगों की समझ विकसित करना।
- मीडिया लेखन की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान तथा विद्यार्थियों में भाषायी दक्षता व कौशल विकास करना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम –

- टी०वी०लेखन, रेडियो, पत्रकारिता, समीक्षा, सम्पादकीय लेखन आदि की तकनीकी समझ का विकास।
- जनसंचार की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर छात्रों में विभिन्न प्रकार के लेखन कार्यो की समझ का विकास।
- मीडिया की ताकत के विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- अधिकारिक प्रक्रियाओं और तकनीकी शब्दों के निष्पादन में दक्षता का विकास।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को किन्ही 07 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।

इकाई –1

हिंदी पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास
मीडिया : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास

इकाई –2

हिंदी पत्रकारिता के प्रकार : समाचार पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता,
साहित्यिक पत्रकारिता एवं अन्य
मीडिया के प्रकार : प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया

इकाई –3

मीडिया एवं जनसंचार : हिंदी भाषा के संदर्भ में
हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया : चुनौतियों और दायित्व

इकाई –4

सूचना प्राप्ति का अधिकार
विज्ञापन लेखन, रेडियो लेखन
हिंदी मीडिया की तकनीकी शब्दावली

सहायक पुस्तकें –

हिंदी पत्रकारिता, डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र, ज्ञानपीठ दिल्ली ।
मीडिया में कैरियर, पुष्पेंद्र कुमार आर्य, ,ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली ।
मीडिया लेखन, सुमित मोहन , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
प्रयोजनमूलक मीडिया विमर्श : सिद्धांत और अनुप्रयोग, प्रोफेसर राम लखन मीणा, के के पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।
प्रयोजनमूलक हिंदी और जनसंचार , डॉ0 राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी नवजागरण हिंदी पत्रकारिता, मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, डॉ0 संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन जयपुर।

हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, डॉ0 अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
पत्रकारिता के विभिन्न, ज्ञानेंद्र रावत, स्वरूप श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
पत्रकारिता की चुनौतियाँ, गणेश मंत्री, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली ।
हिंदी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ, देवी प्रकाश मिश्र, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली ।
पत्रकारिता और उसके विभिन्न स्वरूप, ओ. पी. शर्मा, महावीर एंड संस, दिल्ली ।
हिंदी पत्रकारिता और भूमंडलीकरण, विजेंद्र कुमार ,श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली।
प्रिंट मीडिया लेखन , डॉ0 हरीश अरोड़ा,के .के पब्लिकेशंस ।
मीडिया लेखन, रूपचंद गौतम, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर

24L.6.0-HIN-301

हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन

पूर्णांक : 50
आंतरिक मूल्यांकन : 15
लिखित : 35
समय : 3 घण्टे

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-401

हिंदी आलोचना

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

`

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी आलोचना का विकासात्मक अध्ययन।
- भारतेन्दुयुगीन हिंदी आलोचना से लेकर मार्क्सवादी आलोचना दृष्टि का विशिष्ट ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम ;

- प्रमुख आलोचक और आलोचनात्मक कृतियों की समझ का विकास।

- रचना के साथ – साथ आलोचनात्मक दृष्टिकोण की समझ का विकास।
- छात्रों में स्वयं किसी कृति की समीक्षा करने की समझ का विकास।
- आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का ज्ञान।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

आलोचना की अवधारणा
हिंदी आलोचना का उद्भव एवं विकास
हिंदी आलोचना की वैचारिकी

इकाई – 2

भारतेन्दुयुगीन हिंदी आलोचना
द्विवेदीयुगीन हिंदी आलोचना
शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना
मार्क्सवादी हिंदी आलोचना
अस्मितामूलक हिंदी आलोचना

इकाई – 3

प्रमुख आलोचक :
रामचंद्र शुक्ल
नंददुलारे वाजपेयी
हजारीप्रसाद द्विवेदी
रामविलास शर्मा
डॉ० नगेन्द्र, नामवर सिंह

इकाई – 4

रचनाकार आलोचक :
प्रेमचंद
जयशंकर प्रसाद
अज्ञेय
मुक्तिबोध

सहायक पुस्तकें –

हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी आलोचना और आचार्य रामचंद्र शुक्ल, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
पंत और पल्लव, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, गंगाधर–ग्रन्थागार, लखनऊ
काव्यकला एवं अन्य निबंध, जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
एक साहित्यिक की डायरी, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
दूसरी परंपरा की खोज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
इतिहास और आलोचना, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आलोचना का जनतंत्र, देवेन्द्र चौबे, आधार प्रकाशन, पंचकूला, प्रथम संस्करण
साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र, सं० देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी आलोचना का विकास ,नंदकिशोर नवल ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह ,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी आलोचना का विकास ,मधुरेश ,लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार ,प्रो.कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-402

आधुनिक भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य–

- वर्तमान परिवेश में भारतीय साहित्य की अवधरणाओं और प्रकृति से परिचित कराना ।
- क्षेत्रीयता को त्यागकर राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चितंन।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम –

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से भारतीय संस्कृति और मूल्य नैतिकता का बोध।
- विविध भारतीय भाषाओं के साहित्य द्वारा समाज में सामंजस्य स्थापित करने तथा विश्व दृष्टि का विकास।
- भारतीय साहित्य की विशेषताओं का विश्लेषण, तुलनात्मक ज्वलंत दृष्टिकोण का निर्माण।
- अनुवाद की अनिवार्यता तथा साहित्य के प्रति नवीन दृष्टिकोण का विकास।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

भारतीय साहित्य का अर्थ, स्वरूप और विकास
भारतीय साहित्य और भारतीय मूल्य
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
भारतीय साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ
भारतीय साहित्य में आज का भारत

इकाई – 2

पन्नालाल : जीवी (उपन्यास)
गुरदयाल सिंह : मढ़ी का दीवा (उपन्यास)

इकाई – 3

विजय तेंदुलकर : खामोश अदालत जारी है (नाटक)

इकाई – 4

दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित गजलें :

बस कि दुश्वार है	18
ये न थी हमारी किस्मत	21
रहिए अब ऐसी जगह	128
कोई उम्मीद बर नहीं आती	162
दिले नादां तुझे हुआ क्या है	163
हर एक बात पै कहते हो	179
नुक्तची है ग़म–ए–दिल	192
हजारों ख्वाहिशें ऐसी	220

रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियाँ (खण्ड–1), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
निर्धारित कहानियाँ – पोस्टमास्टर, काबुलीवाला, दृष्टिदान, पत्नी का पत्र, पात्र और पात्री

सहायक पुस्तकें –

रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानियाँ (खण्ड–1), अनु0–रामसिंह तोमर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
जीवी, पन्नालाल पटेल, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली
दीवान–ए–गालिब, संपा0–अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
भारतीय साहित्य , डॉ० नगेन्द्र, साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
भारतीय साहित्य , भोलाशंकर व्यास, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी
भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
इंडियन लिट्रेचर सिंस इंडिपेडेंस, सं० के०एस०आर० अयंगर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
कंपरेटिव लिट्रेचर, डॉ० नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
संस्कृति के चार अध्याय , रामधारी सिंह दिनकर, उदयांचल प्रकाशन, पटना
भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, ए०आर० देसाई, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक भारतीय चिंतन, विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
हजारीप्रसाद द्विवेदी, मृत्युंजय रवींद्रनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
भारतीय चिंतन परम्परा, के दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
गालिब़ की कविता, कृष्ण गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
भारतीय साहित्य की पहचान, संपादक सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश, रामविलास शर्मा, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली
आज का भारतीय साहित्य, संपादक प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादमी, दिल्ली
भारतीय साहित्य की रूपरेखा, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा, विद्या भवन, वाराणसी

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-403 (i)

अस्मितामलूक साहित्य एवं चिंतन (स्त्री, दलित और आदिवासी आदि)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- अस्मितावादी साहित्य की अवधारणा और उसके स्वरूप से परिचय।
- समाज में प्रचलित प्रमुख सरोकारों और मुद्दों की समझ का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- विमर्शवादी लेखन के द्वारा सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों से जुडे मुददों की समझ का विकास

- हाशिए के साहित्य द्वारा उनके सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक स्थिति का बोध
- अस्मितामलूक साहित्य में मुक्ति के स्वरों की पहचान।
- साहित्य बोध के माध्यम से भाषा, भाव और रचना प्रक्रिया की जानकारी।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

अस्मिता की अवधारणा
स्मृति, इतिहास और अस्मिता
अस्मिता और सत्ता
धर्म, संस्कृति और अस्मिता
अस्मितामूलक आंदोलन : मुक्ति की आकांक्षा

इकाई – 2

साहित्य की स्त्री दृष्टि
स्त्री लेखन परम्परा और प्रवृत्तियाँ
साहित्य की दलित दृष्टि
दलित लेखन : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
आदिवासी लेखन : दृष्टि, परम्परा और प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3

निबन्ध

पं0 रमाबाई – स्त्रियों की स्थिति से समाज का रिश्ता, बचपन
महादेवी वर्मा –हिन्दू स्त्री का पत्नीत्व
ओमप्रकाश वाल्मीकि – दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र

कविताएँ

कात्यायनी – हॉकी खेलती लड़कियाँ, सात भाइयों के बीच चम्पा
निर्मला पुतुल – क्या तुम जानते हो, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
अनुज लुगुन : अघोषित उलगुलान, महुवाई गंध

इकाई – 4

आत्मकथा

तुलसीराम – मुर्दहिया

कहानियाँ
ओमप्रकाश वाल्मीकि –सलाम
ममता कालिया – बोलने वाली औरत

सहायक पुस्तकें –

हिंदु स्त्री का जीवन, पं0 रमाबाई (अनूदित) संवाद प्रकाशन, मेरठ
शृंखला की कड़ियाँ , महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छ्वास, डॉ० रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
स्त्री लेखन, स्वप्न और संकल्प, डॉ० रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोवुआर (अनु० प्रभा खेतान), हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली
हाशिए का वृत्तांत : (स्त्री, दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास), सं० दीपक कुमार और डॉ० देवेन्द्र चौबे, आधार प्रकाशन, पंचकूला, प्रथम संस्करण
दलित दृष्टि, गेल ओमवेट, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिकता के आइने में दलित, सं० अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज, ईश कुमार, अकादमिक प्रतिमा, नई दिल्ली
दलित कविता का संघर्ष, कंवल भारती, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, डॉ० देवेन्द्र चौबे, ओरिएंटल ब्लैकस्वान
अस्मिता साहित्य का सौन्दर्य दर्शन, कर्मानंद आर्य, द मार्जिन्लाइज्ड पब्लिकेशन और बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय
बेघर सपने, निर्मला पुतुल, आधार पब्लिकेशन, पंचकूला
आदिवासी दुनिया, हरिराम मीणा, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
आदिवासी साहित्य : परम्परा और प्रयोजन, वंदना टेटे, प्यारा केरकेरा, फांउडेशन
आदिवासी और गांधी, अश्विनी कुमार पंकज, प्यारा केरकेरा फांउडेशल
आदिवासी चितंन की भूमिका, गंगा सहाय मीणा, अनन्या प्रकाशन

चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-403 (ii)

मध्यकालीन महिला संत कवयित्रियाँ

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भक्त संत कवयित्रियों के काव्य में चित्रित प्रखर सामाजिक सरोकारों का परिचय।

- मध्यकालीन संत कवयित्रियों की वाणी में चित्रित आध्यात्मिक गूढ़ता जनाभाव का परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- महिला संत भक्तों की वाणी में निहित नारी हृदय की सहज सुकुमारता एवं संत जीवन के प्रति अटूट श्रद्धा के विविध आयामों की समझ।
- गुरु निष्ठा के साथ–साथ सहज जीवन को पाखंडों से मुक्त करने की समझ का बोध।
- जनभक्ति आंदोलन की यात्रा में संत कवयित्रियों के द्वारा मानवता का मार्ग प्रशस्त करने की भारतीय ज्ञान परंपरा का बोध।
- महिला संतों की वाणी के माध्यम से स्त्री अस्तित्व के सत्य और पूर्ण मनुष्यत्व के बोध की अभिव्यक्ति की समझ।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई –1

हिंदी का मध्यकालीन साहित्य और संत कवयित्रियाँ
संत कवयित्रियाँ और सामाजिक समरसता
संत कवयित्रियाँ और भक्ति चेतना
संत कवयित्रियाँ और दार्शनिक चेतना
संत कवयित्रियाँ और सांस्कृतिक चेतना

इकाई –2

विशेष अध्ययन : सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में
अण्डाल, अक्क महादेवी, करमाबाई, गरवीबाई

इकाई–3

सहजोबाई–(सहजो बाई की बानी, बेलविडियर प्रिंटिंग वर्कस, इलाहाबाद)
निर्धारित पद – आरम्भिक 20 दोहे

इकाई–4

दयाबाई – (दयाबाई की बानी, बेलविडियर प्रिंटिंग वर्कस, इलाहाबाद)
निर्धारित पद – आरम्भिक 20 पद

सहायक पुस्तकें –

दयाबाई की बानी, बेलविडियर प्रिंटिंग वर्कस, इलाहाबाद
लल्द्यद कश्मीरी, अनु. डॉ शिवकृष्ण रैना, आचार्य श्री राम जी शास्त्री, भुवन वाणी, ट्रस्ट, लखनऊ
सहजो बाई की बानी, बेलविडियर प्रिंटिंग वर्कस, इलाहाबाद
सहजोबाई –कालजयी कवि और उनका काव्य : माधव हाड़ा, राजपाल प्रकाशन,दिल्ली
तेजस्विनी अक्क महादेवी के वचन, गगन गिल,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
श्री भक्तमाल (टीका कवित्त) प्रियादास, श्री वेंकटेश्वर प्रेस, मुंबई
चौरासी वैष्णव की वार्ता, गोकुलनाथ पूजा प्रेस अहमदाबाद
पद प्रसंग माला नागरी दास राजस्थान प्राचीन विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर
हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेंद्र– मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली।
हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
हिंदी रीति साहित्य– भगीरथ मिश्र– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
परंपरा का मूल्यांकन, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
लोक जागरण और हिंदी साहित्य , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी , ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली।
वैष्णव भक्ति का उदय और विकास, सुवीरा जायसवाल, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली।
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य , शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
संत काव्य , परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।
भारतीय संत परंपरा की साधिकाएँ, विनोद तनेजा,विभोर प्रकाशन
मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियाँ, सावित्री सिन्हा, हिंदी अनुसंधान परिवार, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली
मध्यकालीन संत साहित्य, डॉ. रामखेलावन पांडेय, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
दिगंबर विद्रोहिनी अक्का महादेवी, सुभाष राय,सेतु प्रकाशन, रजा फाउंडेशन
हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे,भारतीय ज्ञानपीठ
समकालीन नारीवाद और दलित स्त्री का प्रतिरोध, अनीता भारती स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
भारतीय नारी संत परंपरा, बलदेव वंशी,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
भारत की महिला संत, वासंती मधुकर, अतुल प्रकाशन, कानपुर
ललेश्वरी के वाख त्रिक दर्शन के परिप्रेक्ष्य में, डॉ. चमन लाल रैना, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-404 (i)
जयशंकर प्रसाद

पूर्णांक : 100
लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- जयशंकर प्रसाद युगीन परिस्थितियों, साहित्य दर्शन और साहित्यिक योगदान का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- जयशंकर की साहित्यिक संवेदना और भाव भाषा का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- जयशंकर प्रसाद युगीन सामाजिक सरोकारों व मूल्यों की समझ विकसित होगी
- नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य की भूमिका का पक्ष स्पष्ट होगा।
- भाषा और राष्ट्र के महत्त्व का बोध
- जीवन और साहित्य मूल्य की समझ

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद
छायावादी काव्यदृष्टि और प्रसाद
प्रसाद का इतिहास–बोध
कामायनी की आलोचना – मुक्तिबोध : कामायनी एक पुनर्विचार

इकाई – 2

उपन्यास : तितली
कहानियाँ : पुरस्कार, आंधी, मधुआ, शरणागत

इकाई – 3

कामायनी –इड़ा सर्ग, आनन्द सर्ग

इकाई – 4

नाटक : चन्द्रगुप्त,
निबंध : काव्य और कला

सहायक पुस्तकें –

नया साहित्य, नये प्रश्न, आचार्य नदंदुलारे वाजपेयी, मैकमिलन प्रैस, नई दिल्ली
कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद
छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान, डॉ० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एण्ड संस, दिल्ली
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा,
कामायनी एक पुनर्मूल्यांकन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
जयशंकर प्रसाद, वस्तु और कला, डॉ० रामेश्वर खण्डेलवाल, वाणी प्रकाशन दिल्ली
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
जयशंकर प्रसाद ग्रंथावली, खण्ड –4, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-404 (ii)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- निराला युगीन परिस्थितियों, साहित्य दर्शन और साहित्यिक योगदान का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- निराला की साहित्यिक संवेदना और भाव भाषा का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के युगीन सामाजिक सरोकारों व मूल्यों की समझ का विकास
- नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्य की भूमिका का बोध।
- निराला के काव्य – वैशिष्ट्य का बोध।
- निराला के काव्येतर सृजनकर्म का बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

2. इकाई 1 से 4 तक कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। निर्धारित इकाईयों में से एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

स्वाधीनता आंदोलन और निराला
छायावादी काव्य संवेदना और निराला
निराला की प्रगतिशील चेतना
रामविलास शर्मा और निराला

इकाई– 2

निराला का आत्मसंघर्ष और काव्य चेतना
निराला और मुक्त छंद
निराला की कविता में गीत प्रगीत
निराला की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई– 3

कविता : सरोज स्मृति , कुकुरमुत्ता, जागो फिर एक बार (दोनों भाग),
भिक्षुक, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर बह गया है।

इकाई– 4

कहानी : भक्त और भगवान, प्रेमपूर्ण तरंग, श्यामा, दो घड़े
उपन्यास : महाराणा प्रताप

सहायक पुस्तकें –

निराला की साहित्य साधना (तीन खण्डों में), डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
निराला एक आत्महंता आस्था, दधूनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
क्रांतिकारी कवि निराला, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
निराला , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
निराला , डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
छायावाद, नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
नवजागरण और छायावाद, महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
भारतीय नवोत्थान और निराला , डॉ० महेन्द्रनाथ राय, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
संपूर्ण कहानियाँ, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
काव्यकला और कृतियाँ, महाकवि निराला, विशंभरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, इलाहाबाद

कवि निराला, नंददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
निराला, कृति से साक्षात्कार, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
कथा शिल्पी निराला, बलदेव प्रसाद मेहरोत्रा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-405 (i)

समकालीन साहित्य चिंतन
(मार्क्सवाद से विखण्डनवाद तक की विचारधाराओं के संदर्भ में)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भारतीय आधुनिक चिंतन परम्परा के विचारों, संस्कारों का विकास ।
- आलोचनात्मक विवेक तथा समीक्षात्मक दृष्टि का विकास।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- जीवन और साहित्य के मूल्य की समझ
- व्यावहारिक जीवन में सृजनात्मक और आलोचनात्मक ज्ञान का समावेश
- समाजिक परिप्रेक्ष्य में साहित्यिक आंदोलनों का ज्ञान
- भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति का निर्माण

नोट :—

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

गाँधीवादी साहित्य चिन्तन
अम्बेडकरवादी साहित्य चिन्तन

इकाई – 2

मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन
मनोविश्लेषणवादी साहित्य चिन्तन

इकाई – 3

अस्तित्ववादी साहित्य चिन्तन
आधुनिकतावादी साहित्य चिन्तन

इकाई – 4

उत्तरआधुनिकतावादी साहित्य चिन्तन
संरचनावादी और उत्तरसंरचनावादी साहित्य चिन्तन

सहायक पुस्तकें –

यथार्थवाद, जार्ज लुकाच, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्यवाद, गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी
आधुनिकता, उत्तरआधुनिकता एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत, एस०एल० दोषी, रावत पब्लिकेशन
श्रृंखला की कड़ियाँ , महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
गाँधी के देश में, सुधीर चन्द्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
मार्क्स, अम्बेडकर और गाँधी, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
मनोविश्लेषणवाद, फ्रॉयड, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
अस्तित्ववाद, पौल रूचिबेक अनुदित, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल
सत्य के प्रयोग, महात्मा गांधी, हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली
हिंद स्वराज ,महात्मा गांधी, नवजीवन मुद्रणलय, अहमदाबाद
दक्षिण अफ्रीका सत्याग्रह का इतिहास, महात्मा गांधी, नवजीवन मुद्रणलय, अहमदाबाद
आधुनिक भारतीय साहित्य : भारतीय साहित्य की पहचान, सं0. सियाराम तिवारी ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश ,रामविलास शर्मा, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली
आज का भारतीय साहित्य, संपा.प्रभाकर माचवे ,साहित्य अकादमी ,नई दिल्ली
भारतीय साहित्य की रूपरेखा, भोले शंकर व्यास चौखंबा ,विद्या भवन वाराणसी

अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग अनुवाद के विविध आयाम, पूरणचंद टंडन हरिश्चंद्र सेठी, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली
अनुवाद की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
अंग्रेजी हिंदी शब्दकोश ,फादर कामिल बुल्के एंड एस आर कंपनी लिमिटेड ,दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-405 (ii)

हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएं, आंदोलन, केन्द्र)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी के विकास में भूमिका निभाने वाली विभिन्न संस्थाओं, प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं, आंदोलन तथा प्रमुख केन्द्रों का ज्ञान।
- हिंदी भाषा के विकास के महत्वपूर्ण बिन्दुओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी भाषा और उसकी भाषाओं का क्षेत्र विस्तार।
- भारतीय राष्ट्रीय संस्कृति का निर्माण।
- जीवन और साहित्य के मूल्य की समझ।
- अभिव्यक्ति कौशल का विकास।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई – 1

संस्थाएं : नागरी प्रचारिणी सभा (बनारस), हिंदी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् (पटना), दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा (चेन्नई), केन्द्रीय हिंदी संस्थान (आगरा)

इकाई – 2

पत्रिकाएं : सरस्वती, मतवाला, बाला बोधिनी, हंस (प्रेमचन्द), चाँद (फाँसी और अछूत अंक), कादम्बिनी, आलोचना, धर्मयुग, समयांतर, पहल, हंस (राजेन्द्र यादव से अब तक)

इकाई – 3

आंदोलन : ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली, खड़ी बोली आंदोलन, हिंदी–उर्दू–हिंदुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आंदोलन, नाट्य आंदोलन, लघु पत्रिका आंदोलन, दलित आंदोलन, सोशल मीडिया

इकाई – 4

केन्द्र : बनारस, इलाहाबाद, कलकत्ता, दिल्ली, लखनऊ

सहायक पुस्तकें –

नागरी प्रचारिणी सभा, वार्षिक विवरण, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
हिंदी साहित्य सम्मेलन का इतिहास, नरेश मेहता, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
दक्षिण के हिंदी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास, पी०के० केशवन नायर, हिंदी साहित्य भण्डार
सरस्वती और राष्ट्रीय जागरण, हर प्रकाश गौड़, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
समाचार पत्रों का इतिहास, अंबिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल प्रकाशन, वाराणसी
खड़ी बोली आंदोलन, शितिकंठ मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
आधुनिक हिंदी के विकास में खड्ग विलास प्रेस की भूमिका, धीरेन्द्र नाथ सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
सभापतियों के भाषण (तीन खण्ड), हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
हिंदी साहित्य की समस्याएं, सं० डॉ० रघुवंश, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
प्रगतिशील आंदोलन के इतिहास पुरूष , खगेन्द्र ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी, पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
रंग दस्तावेज : सौ साल (दो खण्ड), सं० महेश आनंद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
परिमल स्मृतियाँ और दस्तावेज, केशवचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
मतवाले की बहक (दो खण्ड), कर्मेन्दु शिशिर, संभावना प्रकाशन, हापुड़

चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-406 (i)

हिंदी सिनेमा में भारतीयता

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक, मूल्य परम्पराओं और जीवन शैली का परिचय कराना।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का प्रचार–प्रसार करना ।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय सभ्यता और संस्कृति का बोध तथा मानवीय मूल्यों का विकास ।
- हिंदी सिनेमा के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
- दृश्य मीडिया के अध्ययन की विधियों से परिचित होगें।
- हिंदी सिनेमा और भारतीयता के इतिहास से सांस्कृतिक और सामाजिक समझ का विकास।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई –1

सिनेमा का स्वरूप एवं महत्व
भारतीयता की अवधारणा और महत्व
हिंदी साहित्य और भारतीय सिनेमा का अंतः सम्बन्ध
हिंदी फिल्मी गीतों में भारतीयता

इकाई–2

सिनेमा का तकनीकी पक्ष
सिनेमा के प्रकार
हिंदी सिनेमा का वर्तमान परिप्रेक्ष्य

इकाई –3

भारतीयता आधृत : हिंदी कृतियों पर बनी फिल्में
गोदान (उपन्यास)

चित्र लेखा (उपन्यास)
तीसरी कसम (कहानी)
यही सच है (कहानी)

इकाई –4

भारतीयता आधृत : हिंदी सिनेमा की प्रमुख फिल्में
उपकार
लगान
पूर्व और पश्चिम
स्वदेश
नायक

सहायक पुस्तकें –

हिंदी सिनेमा का सच, संपादक शंभूनाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
भारतीय सिनेमा सिद्धांत ,राही मासूम रजा ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
नए दौर का नया सिनेमा, प्रियदर्शन ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सिनेमा और संस्कृति राही मासूम, रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
भारतीय सिनेमा सिद्धांत, अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी सिनेमा का इतिहास, संजीव श्रीवास्तव, प्रकाशन विभाग, दिल्ली
हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्लपारेख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली
समय और सिनेमा, विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सिनेमा और हिंदी सिनेमा, अरुण कुमार, पीपुल्ज पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सिनेमा और साहित्य के अंतरसंबंध, चंद्रकांत मिसाल, हिंदी साहित्य निकेतन, उत्तर प्रदेश
सिनेमा और साहित्य की संस्कृति, नवल किशोर शर्मा, शिल्पायन, दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-406 (ii)
अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य–

- अनुवाद की सैद्धान्तिक समझ और माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- अनुवाद के विविध क्षेत्रों की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम–

- अनुवाद की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- वैश्विक स्तर पर अनुवाद के महत्त्व का बोध तथा अनुवाद के आवश्यक गुणों का विकास।
- अनुवाद में समतुल्य की धारणा का विश्लेषण–स्थानांतरण और संरचना के रूप की समझ के माध्यम से अनुवाद की व्यावहारिकता का बोध।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई –1

अनुवाद : अर्थ, परिभाषा ,स्वरूप और महत्त्व
अनुवाद की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय ,
अनुवाद के सिद्धान्त
अनुवाद की प्रकृति : अनुवाद कला अथवा विज्ञान ,
अनुवाद के तकनीकी उपकरण

इकाई –2

अनुवाद की प्रक्रिया : विश्लेषण , अंतरण , पुनर्गठन
अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद , भावानुवाद , छायानुवाद , आशु अनुवाद
साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद के गुण एवं दायित्व

इकाई –3

अनुवाद पुनरीक्षण ,सम्पादन ,मूल्यांकन
अनुवाद की समस्याएँ
अनुवाद की प्रासंगिकता
व्यावसायिक क्षेत्रों में अनुवाद की उपयोगिता

इकाई –4

व्यावहारिक अनुवाद (हिंदी अवतरण का अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी का अनुवाद)

सहायक पुस्तकें–

अनुवाद सिद्धान्त की रूपरखो, प्रो० सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद विज्ञान एवं सम्प्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग, जी० गोपीनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग, डॉ० नगेन्द्र, दिल्ली
अनुवाद विज्ञान, डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन
अनुवाद सिद्धान्त, डॉ० भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
अनुवाद के विविध आयाम, पूर्णचंद टंडन, हरिश्चंद्र सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
अनुवाद की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश – फादर कामिल बुल्के, एस एंड चंद कंपनी लिमिटेड, दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर
सप्तम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-407 (i)

हिंदी भाषा और कंप्यूटर

पूर्णांक : 50
लिखित : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- कम्प्यूटर पर सुगमता से हिंदी में कार्य करने के कौशल का विकास।
- भाषा, साहित्य एवम् लेखन कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम –

- इंटरनेट जगत में हिंदी के महत्त्व, हिंदी फॉन्ट, यूनिकोड के साथ ही देवनागरी लिपि में टंकण विधि का ज्ञान।
- हिंदी भाषा और कम्प्यूटर के विविध पक्षों का ज्ञान तथा व्यावसायिक दृष्टि का निर्माण।
- हिंदी के विभिन्न की–बोर्ड, वेब डिजाइनिंग, वेब साइट्स आदि का ज्ञान ।

नोट :–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को किन्ही 7 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।

इकाई –1

कंप्यूटर का परिचय और विकास
कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ एवं विकास
हिंदी के विविध फॉन्ट
कंप्यूटर में हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं

इकाई – 2

हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी
इंटरनेट और हिंदी
देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा , हिंदी की वेबसाइट्स

इकाई – 3

राजभाषा हिंदी के प्रचार –प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका
हिंदी भाषा शिक्षण और ई–लर्निंग, सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन कौशल
सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं

इकाई – 4

हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष
पीपीटी निर्माण, पोस्टर निर्माण
प्रायोगिक कार्य और प्रोजेक्ट तैयार करना

सहायक पुस्तकें –

अपना कम्प्यटूर अपनी भाषा में, राजेश रजंन, हिंदी बुक्स सेंटर।
आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान, विनोद कुमार मिश्र, हिंदी बुक्स सेंटर।
कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन,हिंदी बुक्स सेंटर।
कम्प्यूटर बेसिक शिक्षा, गुंजन शर्मा, हिंदी बुक्स सेंटर।
आओ कम्प्यूटर जानें, अमित गर्ग, हिंदी बुक्स सेंटर।
कम्प्यूटर बेसिक नॉलेज, कोमल कथूरिया, हिंदी बुक्स सेंटर।

चतुर्थ सेमेस्टर
सप्तम प्रश्न पत्र

24L.6.0-HIN-407 (ii)

सृजनात्मक लेखन

पूर्णांक : 50
लिखित : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- सृजनात्मक लेखन के सिद्धांत एवं व्यवहार से परिचय।
- मीडिया में रचनात्मक लेखन की संभावनाओं को दिखाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- सृजनात्मक लेखन की बुनियादी अवधारणओं का ज्ञान ।
- सृजनात्मक लेखन के नये रूपों में दक्षता ।
- विद्यार्थी मीडिया के माध्यमों से ज्ञान प्राप्त कर रोजगार की ओर उन्मुख होंगे।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी अग्रसर होंगे ।

नोट :—

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को किन्ही 7 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न एक—एक अंक का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ एक—एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंकों का होगा।

इकाई— 1

सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और महत्त्व
सृजनात्मक लेखन की प्रेरणा, तैयारी और चुनौतियां
भाव और विचार के रूपांतर की प्रक्रिया।
लेखन के विविध रूप।

इकाई—2

साहित्यिक लेखन की रचना प्रक्रिया
कविता, नाटक, कहानी, उपन्यास, डायरी, यात्रा वृतांत, बाल साहित्य।

इकाई —3

वेब लेखन, ब्लॉगिंग और कॉपी लेखन, रेडियो लेखन, टेलीविजन लेखन,
सिनेमा लेखन, सोशल मीडिया के लिए लेखन।

इकाई 4

समीक्षा लेखन : पुस्तक, सिनेमा और नाटक समीक्षा

प्रूफ रीडिंग, लेखन और प्रकाशन के विविध उपकरण।

सहायक पुस्तकें–

कहानी की रचना प्रक्रिया, परमानंद श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
सृजनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा ,युवा साहित्य चेतना मंडल ,नई दिल्ली
रचनात्मक लेखन, सुरेश गौतम ,भारतीय ज्ञानपीठ ,दिल्ली
उपन्यास की संरचना ,गोपाल राय ,राजकमल प्रकाशन
सृजनात्मक लेखन, राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली स
सृजनात्मक लेखन ,आनंद पाटील ,पुणे प्रकाशन
मीडिया लेखन के सिद्धांत, एन. सी. पंत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली स
पत्रकारिता हेतु लेखन, डॉ निशांत, अर्चना प्रकाशन, दिल्ली
कविता रचना प्रक्रिया, कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
कहानी की रचना प्रक्रिया, परमानंद श्री वास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद